भारतीय महिलाएँ : जीवनियाँ व आत्मकथाएँ
एक संदर्भ सूचिका

संकलन एवं संपादन
द्वारा

अंजु व्यास
एवं
मधु श्री

जनवरी २०१३

सेन्टर फॉर वूमन्स डेवलपमेंट स्टडीज़
२५, भाई वीर सिंह मार्ग (गोल मार्किट)
नई दिल्ली–११०००१, भारत
दूरभाषः ९१–११–३२२२६९३०,३२२२६९३१
फैक्स : ९१–११–२३३४६०४४
ईमेल : cwdslib@vsnl.net
वेबसाइट : www.cwds.org/library/library.htm

अनुक्रम

खंड – १	**पृष्ठ सं.**
प्रस्तावना	३–४
संक्षिप्त सूची (लोकेशन मार्क)	५
खंड – २	**७– ७६**
भाग–१ जीवनियाँ / आत्मकथाएँ (एकल प्रविष्टियाँ)	७–२४
अनुक्रमणिकाएँ:	**२६–३६**
जीवनचरित अनुक्रमणिका (आत्मकथाकार / जीवनी पात्र)	२६–२६
नाम अनुक्रमणिका (लेखक, अनुवादक इत्यादि)	३०–३२
संकेत शब्द अनुक्रमणिका	३३–३६
भौगोलिक क्षेत्र अनुक्रमणिका	३७–३६
भाग––२ जीवनियाँ / आत्मकथाएँ (बहुल प्रविष्टियाँ)	**४१–६४**
अनुक्रमणिकाएँ:	**६६–७६**
जीवनचरित अनुक्रमणिका (आत्मकथाकार / जीवनी पात्र)	६६–६७
नाम अनुक्रमणिका (लेखक, अनुवादक इत्यादि)	६८–७१
संकेत शब्द अनुक्रमणिका	७२–७३
भौगोलिक क्षेत्र अनुक्रमणिका	७४–७५
खंड – ३ परिशिष्ट: पुस्तकालय सूची	**७७–७६**

प्रस्तावना

जीवनी एक ऐसी विधा है जिसके द्वारा किसी व्यक्ति विशेष के जीवन का वृतांत लिखा जाता है! जीवन के बीते हुए लम्हों तथा जो समय की अतल गहराईयों में डूब गया है उसे फिर से निकाल कर सामने लाने की प्रेरणा ही आत्मकथा है! महिला जीवनी/आत्मकथा अनुभव की प्रामाणिक अभिव्यक्ति है और यह तब ही संभव है जब अनुभवों की प्रत्यक्ष अनुभूति हो! साहित्यिक धरातल पर महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए, तथा महिलाओं के बारे में किए गए लेखन द्वारा इस अनुभूति की प्रामाणिकता को बल मिलता है! सामाजिक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रही नारी की साहित्यिक क्षेत्र में तो भागीदारी बढ़ी ही है, साथ ही ऐतिहासिक स्तर पर भी उसकी उपस्थिति सहज स्वीकृत हुई है! १८५७ के भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के साथ–साथ महिलाओं की औपचारिक मुक्ति और उसका वास्तविक मताधिकार दिलाना भी महिला आंदोलन का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य था! स्वाधीनता के पश्चात ये लक्ष्य अंशतः ही पूरा हो सका! स्वतंत्रता के पचास वर्षों बाद आज भी महिलाओं की स्थिति में बहुत अधिक सुधार नहीं हुआ है! इसी कारण १९६० और ७० के दशकों में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति में परिवर्तन लाने के लिए देश में महिलाओं का सक्रिय आंदोलन फिर से जागृत हुआ, जिसके अंतर्गत सामाजिक सुधार के लिए सरकार को चुनौती, विरोध, संरक्षण, अग्रगामी परिवर्तन के लिय संघर्ष करने की ललक, एवं महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयासरत महिलाओं ने अपनी सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिबद्धता तथा अदम्य साहस के माध्यम से एक नया इतिहास बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया! यहीं से स्त्री अस्मिता के संदर्भ में महिला लेखन कौ पहचान मिली! ऐसी कर्मठ महिलाओं ने अपने विविध प्रकार के अनुभवों को अपनी आपबीती के रूप में कलमबद्ध करने का प्रयास किया और अन्य लेखक और लेखिकाओं ने उनके अनुभवों को अपने लेखन का विषय बनाया है!

महिलाओं द्वारा महिलाओं के बारे में लिखने की परंपरा काफी पुरानी है! इसी परंपरा के अंतर्गत महिला लेखिकाओं ने भारतीय नारी की बदलती स्थिति, नारी चेतना और महिला अंदोलनों के विविध सोपानों को अपनी लेखनी का विषय बनाया है! हिन्दी साहित्य के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य में भी जीवनी/आत्मकथा लेखन का इतिहास उपलब्ध है, जो काफी पुराना है! उदाहरण के लिए सबसे पुरानी आत्मकथा राससुंदरी दासी की "आमार जीबोन" है जो १८७६ में पहली बार बंगला भाषा मे प्रकाशित हुई थी! हिन्दी के साठ और सत्तर के दशक में पश्चिम में जब स्त्रीवादी औरतें बहादुरी से संघर्ष कर रही थीं और उसे कलमबद्ध कर रही थीं, उस समय केरल की माधवीकुट्टी नाम की लेखिका ने "माई स्टोरी" शीर्षक से अपनी आत्मकथा लिख कर केरल के समाज को उद्वेलित कर दिया! सन् १९१६ में एक चर्चित पत्रकार और स्वाधीनता सेनानी की पत्नी बी. कल्यानी अम्मा की आत्मकथा "बारह साल के संस्मरण" के नाम से मलयालम में छपी! सन् १९८० और १९९० के दशक में जीवनियों और आत्मकथाओं का दायरा काफी विस्तृत हुआ है! इनमें बहुत सी नई रणनीतियाँ और पद्धतियाँ समाहित की गई हैं, जिसके चलते विभिन्न वर्गों और व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं की जीवनियाँ और आत्मकथाएँ बड़े पैमाने पर प्रकाशित हुईं! राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली लक्ष्मीबाई से लेकर लक्ष्मी सहगल तक ; भक्ति आंदोलन के क्षेत्र में अग्रणी मीराबाई से लेकर श्री आनंदमयी माँ तक; राजनीति से संबंध रखने वाली इंदिरा गाँधी से लेकर सोनिया गाँधी तक; साहित्य एवं कला के क्षेत्र में अग्रणी अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, अमृता शेर–गिल; समाजसेवा के क्षेत्र में प्रसिद्ध मदर टेरेसा, साधना आमटे; तथा सिनेमा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोट, हंसा वाडकर, मीना कुमारी जैसी महिलाओं की जीवनियाँ और आत्मकथाएँ जीवंत उदाहरण हैं! यह सब आत्मकथाएँ हिंदी के अतिरिक्त उर्दू, बँगला, मराठी, मलयालम व अंग्रेजी भाषा में लिखी गईं हैं, जिनका समय–समय पर अनुवाद होता रहा है! कुछ पुरानी आत्मकथाएँ पुनः प्रकाशित भी हुई हैं!

वर्तमान समय में महिला जीवनी एवं आत्मकथा विषय पर काफी शोध हो रहे हैं! अगर देखा जाए तो इस विषय पर काफी सामग्री उपलब्ध है, परन्तु आधे से ज़्यादा सामग्री अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है! हिन्दी भाषा में इससे

संबंधित पठ्न सामग्री की उपलब्धता की चर्चा यत्र–तत्र होती रही है! हर चर्चा का निष्कर्ष यही रहा है कि एक तरफ हिन्दी भाषा में महिला जीवनियों/आत्मकथाओं से संबंधित बहुत कम पठ्न सामग्री उपलब्ध है, और जो भी उपलब्ध है उसकी सूचना सरलता से उपलब्ध नहीं हो पाती! दूसरी तरफ उससे संबंधित पठ्न सामग्री की माँग तथा कथित भाषा में शोध करने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है! इस प्रकार की समस्या को देखते हुए हिन्दी भाषा में एक ऐसे प्रामाणिक संदर्भ ग्रंथ की आवश्यकता को महसूस किया गया जिससे सभी छात्रों तथा शोध कर्ताओं को सभी महत्वपूर्ण संदर्भ एक ही जगह पर मिल जाएँ! इसलिए सी.डब्ल्यू.डी.एस. पुस्तकालय ने अपनी क्षमता का प्रयोग करते हुए एक ऐसी संदर्भ सूचिका का संकलन व प्रतिपादन करने का निर्णय लिया, जिसमें महिलाओं से संबंधित जीवनियों तथा महिलाओं द्वारा लिखी गई आत्मकथाओं का संकलन है! प्रस्तुत सूचिका में सी.डब्ल्यू.डी.एस. पुस्तकालय में उपलब्ध जीवनी व आत्मकथाओं के अतिरिक्त दिल्ली के अन्य पुस्तकालयों में उक्त विषय से संबंधित उपलब्ध पठ्न सामग्री को भी लिया गया है!

प्रस्तुत संदर्भ सूचिका का संकलन व प्रतिपादन करते हुए उपलब्ध पठ्न सामग्री को इसमें संकलित करने का पूरा प्रयास किया गया है, परंतु फिर भी यह नहीं कहा जा सकता कि सभी उपलब्ध संदर्भ इस सूचिका में सम्मिलित हैं! इस सूचिका में लगभग २१६ प्रविष्टियाँ हैं, तथा इसमें भारतीय महिलाओं के साथ–साथ उन महिलाओं की जीवनियों/आत्मकथाओं को भी लिया गया है जिन्होंने विदेशी हो कर भी भारत को अपनी कर्मभूमि बनाया! इस सूचिका को तीन खंडों में विन्यासित किया गया है! खंड १ में अनुक्रम ,प्रस्तावना, एवं संक्षिप्त सूची (लोकेशन मार्क) दी गई है! खंड २ के भाग एक में एकल प्रविष्टियों वाली जीवनियाँ/आत्मकथाएँ अनुवार्णिक क्रम में संकलित हैं! बहुल प्रविष्टियों वाले संदर्भों का संकलन भाग दो में है! प्रस्तुत सूचिका का प्रतिपादन करते हुए उसमें संकलित प्रविष्टियों की क्रमबद्धता में समरूपता नहीं दिखाई दी, अर्थात कहीं तो एक जीवनी/आत्मकथा की केवल एक ही प्रविष्टि थी और कहीं पर एक से ज़्यादा प्रविष्टियाँ थीं! उदाहरण के लिए इंदिरा गाँधी की ४३ प्रविष्टियाँ हैं जो इस श्रृंखला की सबसे ज़्यादा प्रविष्टियाँ हैं! इस प्रकार की असमानता को देखते हुए सूचिका को दो भागों में विभाजित करने का निर्णय लिया गया!

भाग १ में लगभग ८६ जीवनियों/आत्मकथाओं का संकलन है जो अनुवार्णिक क्रम में व्यवस्थित हैं! पाठकों तथा शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक प्रविष्टि के साथ उसका सारांश भी दिया गया है, और उस के अंत में संक्षिप्ति (लोकेशन मार्क) दी गई है! इसी प्रकार भाग दो में लगभग २८ महिलाओं की १३० प्रविष्टियाँ दी गई हैं, जिसमें पहले संबंधित चरित्र का नाम उनकी जन्म तिथि और मृत्यु तिथि (यदि है तो) अनुवार्णिक क्रम में दी गई है, फिर उसका सारांश एक पैराग्राफ में दिया गया है, और उसके बाद उससे संबंधित सभी प्रविष्टियाँ अनुवार्णिक क्रम में व्यवस्थित की गई है! शोधकर्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक भाग के अंत में आत्मकथाकार/जीवनी पात्र की सूची (जन्म तिथि तथा मृत्यु तिथि), नाम अनुक्रमणिका, संकेत शब्द अनुक्रमणिका, एवं भौगोलिक क्षेत्र अनुक्रमणिका दी गई है! खंड ३ में परिशिष्ट के अंतर्गत चयनित पुस्तकालय सूची अनुवार्णिक क्रम में दी गई है!

प्रस्तुत संदर्भ सूचिका का प्रतिपादन करने में दिल्ली शहर में स्थित विभिन्न पुस्तकालयों जहाँ से इस सूचिका के लिए डेटा एकत्रित किया गया है, के सहयोगियों के हम आभारी हैं! इस सूचिका को वेबसाइट पर डालने तथा ऑनलाइन करने में अख़लाक ने अपना पूर्ण सहयोग दिया है!

हम आशा करते हैं कि कथित विषय में शोध करने वाले शोधार्थियों के लिए य्ह संदर्भ सूचिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी!

अंजु व्यास

जनवरी, २०१३

मधु श्री

संक्षिप्त सूची (लोकेशन मार्क)

१. जागोरी	–जागोरी
२. तुलसी सदन लायब्रेरी	–टी.एस.एल.
३. दिल्ली पब्लिक लायब्रेरी	–डी.पी.एल.
४. नेशनल कमीशन फॉर वूमन	–एन.सी.डब्ल्यू.
५. नेहरू मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लायब्रेरी	–एन.एम.एम.एल.
६. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक कोऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवेलपमेंट	–निप्सड
७. मारवाड़ी सार्वजनिक पुस्तकालय	–मारवाड़ी पुस्तकालय
८. वी.वी.जी.नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट	–वी.वी.जी.एन.एल.आई.
९. वूमन्स स्टडीज़ डेवेलपमेंट सेंटर	–डब्ल्यू.एस.डी.सी.
१०. साहित्य एकेडमी लायब्रेरी	–एस.ए.एल.
११. सेंटर फॉर वूमन्स डेवेलपमेंट स्टडीज़	–सी.डब्ल्यू.डी.एस.
१२. सेंट्रल लायब्रेरी, दिल्ली विश्वविद्यालय	–सेंट्रल लायब्रेरी, डी.यू.
१३. सेंट्रल सेक्रेटरिएट लायब्रेरी	–सी.एस.एल.

भाग – १

जीवनियाँ / आत्मकथाएँ

(एकल प्रविष्टियाँ)

जीवनियाँ / आत्मकथाएँ

भाग–१

००१
अंजली
भारत की बेटी सुनीता विलियम्स.– दिल्लीः सुभाष चन्द्र, २००८.
१२० पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय, सी.एस.एल.

अमरीका में जन्मी भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एक ऐसी असाधारण महिला का नाम है जिन्होंने अपनी असाधारण इच्छाशक्ति, दृढ़ता, उत्साह तथा अदम्य साहस से अंतरिक्ष में १६४ दिन, १८ घंटे रह कर विश्व रिकॉर्ड बनाया! प्रस्तुत जीवनी में उनकी उपलब्धियों के साथ–साथ उनके बचपन से जुड़ी यादों और एस.टी.एस. ११६ अभियाान की एक सदस्या के रूप में अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम में उनके योगदान का विवरण प्रस्तुत किया गया है!

००२
अंसल, कुसुम
जो कहा नहीं गया.–दिल्लीः राजपाल, १६६६.
२१५पृ. एन.एम.एम.एल.
अंग्रेज़ी में मासूमा अली द्वारा अनुवादित

अलीगढ़ में जन्मी कुसुम अंसल की ये आत्मकथा उनके जीवन का सारतत्व है जिसमें उन्होंने उन परिस्थितियों का वर्णन किया है जिसने उन्हें लिखने के लिए प्रेरित किया! उन्होंने लगभग दो दर्जन उपन्यास, कविताएँ, तथा लघु कथाएँ लिखीं हैं! दूरदर्शन के लिए इन्होंने कुछ सीरियल भी लिखे हैं! नाटक तथा अभिनय में कुसुम अंसल की आरम्भ से ही रूचि रही है! उन्होंने इप्टा के अनेक नाटकों में काम भी किया है!

००३
अग्रवाल, प्रतिभा
दस्तक ज़िंदगी की.–कोलकाताः प्रस्तुत प्रकाशन, १६६०.
१३० पृ. एन.एम.एम.एल.

यहाँ लेखिका ने अपने जीवन में आए उतार–चढ़ाव तथा रंगमंच के लिए पटकथा लेखन के समय हुए अनुभवों को काग़ज़ पर उकेरा है!

००४
अजीत कौर
कूड़ा–कबाड़ा (आत्मकथा).– नई दिल्लीः किताबघर, १६६६.
१६१पृ. सी.एस.एल..; एन.एम.एम.एल.

बीसवीं सदी की पंजाबी महिला लेखिका अजीत कौर की यह संस्मरणात्मक आत्मकथा है जिसमें उन्होंने अपनी आपबीती के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक स्थिति का बहुत ही सजीव वर्णन किया है!

००५
अनुजा, मंगला
पत्रकारिता की युग निर्माता हेमंतकुमारी देवी चौधरी.—दिल्लीः प्रभात, २०१०.
८६पृ. एन.एम.एम.एल.

हिंदी की आद्य महिला संपादक एवं पत्रकार हेमंतकुमारी देवी चौधरी का हिंदी पत्रकारिता में यशस्वी स्थान है! उन्होंने रतलाम, मध्यप्रदेश से हिंदी मासिक पत्रिका "सुगृहिणी" का संपादन—प्रकाशन किया! उनका पूरा जीवन हिंदी पत्रकारिता, साहित्य और शिक्षा की सेवा में व्यतीत हुआ है! प्रस्तुत जीवनी में उन्हीं अनुभवों का वर्णन हुआ है!

००६
अनुराधा, आर
इंद्रधनुष के पीछे—पीछेः एक कैंसर विजेता की डायरी.—नई दिल्लीः राधाकृष्ण, २००५.
१५६पृ. सी.एस.एल..; एन.एम.एम.एल.

यह जीवनी कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने वाली एक साहसी महिला की है!

००७
अनुसूया अनु
झलकारी बाई.— नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९३.
११६पृ. एन.एम.एम.एल.

१८५७ के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वीरांगना झलकारी बाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा है! उन्होंने समर्पित रूप में न सिर्फ रानी लक्ष्मीबाई का साथ दिया बल्कि झाँसी की रक्षा में अंग्रेजों का सामना भी किया! प्रस्तुत जीवनी में उन्हें एक ऐतिहासिक नायिका के रूप में चित्रित किया गया है!

००८
आमटे, साधना
समिधा/द्वारा अनुवादित एम. बी शाह.—मुंबईः पॉपुलर, २००३.
२२७पृ. एन.एम.एम.एल.

"समिधा" साधना आमटे और उनके पति बाबा आमटे की एक ऐसी आत्मकथा है जिसमें समस्त मानव जाति के लिये किए गए संघर्ष, उससे उपजे तनाव तथा सफलता का अद्‌भुत व रोमांचकारी वर्णन है!

००९
उषा, पी टी
स्वर्ण पदक विजेता पी टी उषा की आत्मकथा/द्वारा अनुवादित विश्व प्रकाश दीक्षित.— दिल्लीः सरस्वती, १९८८.
१५५पृ. एन.एम.एम.एल.

भारतीय ट्रैक और फील्ड की रानी मानी जाने वाली पी टी उषा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक धाविका के रूप में भारत के लिए केरल का और विश्व के लिए भारत का अमूल्य उपहार हैं! प्रस्तुत आत्मकथा में उनकी नवें दशक में प्राप्त सफलताओं और ख्याति का वर्णन है! उन्हें "उड़न परी" का खिताब दिया गया है!

०१०
एग्निस, फ्लेविया
परवाज़ः टूटी–बिखरी जिंदगी को संवारने की मेरी कहानी, हम सबकी कहानी/द्वारा संपादित एवं अनुवादित नसीरुद्दीन हैदर खान.– दिल्लीः दानिश, २००८.
१०७पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस., सेन्ट्रल लायब्रेरी(डी.यू.)

घरेलू हिंसा के लिए किए गए अपने संघर्ष को फ्लेविया एग्निस ने अपनी आत्मकथा में कलमबद्ध किया है!

०११
कड़कीआ, शीला
अमृतस्य कन्याः आचार्य विनोबा के आश्रम की अनन्य साधिका सुशीला के साधनामय जीवन की गाथा.–नई दिल्लीः सस्ता साहित्य मंडल, १९८७.
११६पृ. एन.एम.एम.एल.

यह जीवनी परंपरागत जीवनी न हो कर सुशीला बहन के दुद्धुर्ष साधना का रोमांचकारी तथा प्रेरणादायक विवरण है!

०१२
कांबले, शान्ता कृष्ण
आत्मकथा नाजा/द्वारा अनुवादित रजनी तिलक.– दिल्लीः दानिश, २००९.
१४८ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.
मूल मराठी "माझी जन्माची चित्रकथा" से अनुवादित

मूलतः मराठी में लिखी गई यह आत्मकथा वस्तुतः शांता कांबले की आपबीती है, जिसमें उपेक्षा, अभाव और अछूत होने का दर्द है! प्रस्तुत आत्मकथा भारतीय समाज में गहरे जड़ जमाए बैठी, सदियों से चली आ रही जाति व्यवस्था पर चोट करती है! लेखिका ने अपने समाज के भीतर मौजूद समस्याओं और जड़ताओं का बेबाकी से वर्णन किया है!

०१३
किदवई, अनीस
आज़ादी की छाँव में.–नई दिल्लीः नेशनल बुक ट्रस्ट, १९९०.
३४०पृ. एन.एम.एम.एल.

प्रस्तुत आत्मकथा बेगम अनीस किदवई का वह आत्म संस्मरण है जिसमें उन्होंने भारत विभाजन के दौरान हुई हिंसा का मर्मस्पर्शी वर्णन किया है!

०१४
केला, भगवानदास
वनब्रह्मचारिणी कुंती देवीः जीवन–चरित्र.– वृंदावनः भारतीय ग्रंथमाला, १९२७.
२२४पृ. एन.एम.एम.एल.

हिंदु परंपरा में रानी कुंती का चरित्र आदरणीय रहा है! कुंती ओजस्वी चरित्र की स्वामिनी थीं! प्रस्तुत जीवन चरित्र में कुंती को एक पवित्र और निष्ठावान स्त्री के रूप में चित्रित किया गया है!

०१५
कैफी, शौकत
याद की रहगुज़र.– नई दिल्लीः राजकमल, २००६.
१४६पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

"याद की रहगुज़र" शौकत कैफ़ी की वह दास्तान है जिसमें उनके पति मशहूर शायर कैफ़ी आज़मी तथा उन के बच्चों शबाना आज़मी और बाबा आज़मी के खूबसूरत और दिलचस्प किस्से हैं! जीवन के ठंडे और गरम मौसमों की तस्वीरें, मानव मन का रोमांस, और हिम्मत और विजय की भावना से ओत–प्रोत बहुरंगी अनुभवों का बयान इस आत्मकथा में है!

०१६
कौल, जयालाल
लाल देद/द्वारा अनुवादित शिबन कृष्ण रैना.– नई दिल्लीः साहित्य अकादमी, १९८०.
१०७पृ. एन.एम.एम.एल.

कश्मीरी रहस्यवादी कविता की रचयिता लल्लेश्वरी कश्मीरी साहित्य की विख्यात कवयित्री, सूफी संत और भगवान शिव की उपासक थीं! अपने विवाह–विच्छेद के बाद से ही उन्होंने अपना जीवन शिव की उपासना तथा मानव कल्याण में लगा दिया था! प्रस्तुत जीवनी में कश्मीरी संस्कृति और कश्मीर के लोगों के धार्मिक और सामाजिक विश्वास के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान का वर्णन है!

०१७
कौल, क्षमा
समय के बाद (मेरी डायरी).–नई दिल्लीः अनिल, १९९६.
९६पृ. एन.एम.एम.एल.

कश्मीर में भयंकर नरसंहार के बाद के भयावह जीवन का चित्रण लेखिका ने अपने इस संस्मरण में किया है!

०१८
खेतान, प्रभा
अन्या से अनन्या.– नई दिल्लीः राजकमल, २०१०.
२८७ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.; सी.एस.एल.

अपनी ईमानदारी के अनेक स्तरों पर एक बेहद बेबाक, वर्जनाहीन और उत्तेजक यह आत्मकथा प्रभा खेतान का निजी दस्तावेज है!

०१९
खोटे, दुर्गा
मैं, दुर्गा खोटे/द्वारा अनुवादित कुसुम तांबे.– नई दिल्लीः राधाकृष्ण, १९८३.
२०५ पृ. एन.एम.एम.एल.; सी.एस.एल.

मूल मराठी "मी दुर्गा खोटे" से हिंदी में अनुवादित

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मनित दुर्गा खोटे हिंदी तथा मराठी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं! अपने उच्चकोटि के अभिनय के लिए उन्हें "दादा साहेब फ़ालके" अवार्ड भी मिला था! हिंदी सिनेमा के इतिहास में अपने ५० सालों के अनुभवों का रोचक वर्णन उन्होंने अपनी इस आत्मकथा में किया है!

०२०
गर्ग, दामोदर लाल
चित्तौड़ की ज्वाला–रानी पद्मिनी.– जयपुरः अनु, २००८.
७१पृ. सी.एस.एल., वी.वी.जी.एन.एल.आई.

अभूतपूर्व सौंदर्य एवं अदम्य साहस की प्रतिमा रानी पद्मिनी चित्तौड़ की महारानी थीं! उनके साहस और बलिदान की गौरवगाथा का वर्णन प्रस्तुत जीवनी में हुआ है!

०२१
गर्ग, दामोदर लाल
राजधात्री पन्ना गूजरी.– जयपुरः ग्रन्थ विकास, २००६.
८५पृ. सी.एस.एल.

स्वामिभक्ति और अद्भुत साहस का मेल पन्ना धाय की इस जीवनी में देखने को मिलता है!

०२२
गायत्री देवी
मेरी स्मृतियाँ.– जयपुरः क्लासिक, १९९४.
२३५पृ. एन.एम.एम.एल.

जयपुर की राजमाता महारानी गायत्री देवी के इस संस्मरण में उनके आरम्भिक जीवन, जयपुर के महाराजा से विवाह और राजनीतिक अनुभवों का वर्णन मिलता है!

०२३
गुप्ता, राकेशनंदिनी
गोधूलि की परछाइयाँ.–दिल्लीः नवचेतन, २००३.
१४२पृ. सी.एस.एल.

कवयित्री की प्रेमिल, आत्मीय और अनात्मीय अनुभूतियों के साथ–साथ ये संस्मरण हमें उनकी सामाजिक और मानवीय चिन्ताओं से भी परिचित कराते हैं!

०२४
गोस्वामी, इंदिरा
ज़िंदगी कोई सौदा नहीं (आत्मकथा)/द्वारा अनुवादित नीता बनर्जी.–दिल्लीः सरस्वती, १९९२.
१८३पृ. एन.एम.एम.एल.
मूल अंग्रेज़ी "लाइफ इज़ नो बार्गेन" से हिंदी में अनुवादित

इंदिरा गोस्वामी असमी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका थीं! उन्होंने अपने लेखन के द्वारा अपनी–अपनी जातीय अस्मिता के लिए संघर्ष कर रहे लोगों और राजनीतिक नेतृत्व के बीच संवाद का सेतु बनाने की पहल की! उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी का परिचय प्रस्तुत आत्मकथा में मिलता है, जिस में उन्होंने अपनी ज़िन्दगी के तमाम संघर्षों पर रोशनी डाली है!

०२५
गौड़, संजय एवं चतुर्वेदी, प्रतिमा
महारानी से राजरानी वसुंधरा राजे.– जयपुरः बुक एनक्लेव, २००४.
१७६पृ. सी.एस.एल.

ग्वालियर के राजघराने में जन्मी तथा राजस्थान के धौलपुर की महारानी वसुंधरा राजे के सामाजिक एवं राजनीति के गंभीर चिंतन का दस्तावेज बनी इस जीवनी में उनके "महारानी से राजरानी" बनने तक के सफर को कम शब्दों में समेट कर हिंदी वर्ग के पाठकों को लाभान्वित करने का प्रयास किया गया है!

०२६
चंद्रकांता
हाशिये की इबारतें.–नई दिल्लीः राजकमल, २००६.
२०८पृ. एन.एम.एम.एल.

स्त्री के चेतन और अवचेतन में प्रवेश करने की कोशिश लेखिका ने इस आत्मकथा द्वारा की है!

०२७
चट्टोपाध्याय, पूर्णानंद
कवि पत्नी मृणालिनी.– कोलकाताः आनंद, १६८४.
७२पृ. एन.एम.एम.एल.

मृणालिनी देवी टैगोर का जन्म जैसोर, बांगलादेश में हुआ था! बारह वर्ष की आयु में उनका विवाह रबीन्द्रनाथ टैगोर से कोलकाता में हुआ था! वह देखने में बिल्कुल साधारण और एक तरह से निरक्षर थीं! विवाह के बाद उन्हें लोरेटो स्कूल में दाखिल किया गया! प्रस्तुत जीवनी में उनके बचपन और वैवाहिक जीवन का वर्णन किया गया है!

०२८
चुग़ताई, इस्मत
काग़ज़ी है पैरहन/द्वारा अनुवादित इफ्तिख़ार अंजुम.–नई दिल्लीः राजकमल, १६६८.
२६६पृ. सी.एस.एल.;एन.एम.एम.एल.

पद्मश्री से विभूषित इस्मत चुग़ताई उर्दू साहित्य की सबसे विवादास्पद और सर्वप्रमुख लेखिका थीं जिन्होंने मुस्लिम समाज की महिलाओं की मनोदशा और उनके जीवन में आने वाली समस्याओं को अपने उपन्यासों और कहानियों का विषय बनाया! उनकी रचनाओं में सबसे आकर्षित करने वाली बात उनकी निर्भीक शैली थी, इसका उदाहरण उनकी विवादास्पद कहानी "लिहाफ़" है जिसमें उन्होंने महिलाओं के बीच समलैंगिकता के मुद्दे को उठाया थ! उनकी इस आत्मकथा में एक पूरे समाज और समय का सजीव, जीवन्त और प्रामाणिक वर्णन है!

०२९
जगजीवनराम, इंद्राणी
देखी सुनी बीती बातें.—नई दिल्लीः जगजीवन विद्या भवन, १९९४.
२भाग(भाग१ः २१८पृ.; भाग २ः २७४पृ.) एन.एम.एम.एल.

कानपुर, उत्तर प्रदेश में जन्मी इंद्राणी देवी जगजीवनराम एक अध्यापिका, एक स्वतंत्रता सेनानी तथा एक समाज सेविका थीं! भारत के प्रथम दलित प्रधानमंत्री श्री जगजीवनराम जी से विवाह के उपरांत उनके साथ मिलकर "सविनय अवज्ञा आंदोलन" तथा "भारत छोड़ो आंदोलन" में उन्होंने अपना सक्रिय योगदान दिया! प्रस्तुत आत्मकथा में उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान जीवन की खट्टी—मीठी अनुभूतियों का सहज चित्रण प्रस्तुत किया है!

०३०
जैन, जयकुमार
शाँति तायलः एक जीवन, एक कहानी.—हिसारः अभिराम, १९९८.
२६३पृ. एन.एम.एम.एल.

समाज सेविका के रूप में शाँति तायल का जीवन उस पथिक की भाँति है जो अपनी राह चलता हुआ मार्ग में पड़े शूल को अनदेखा कर अपनी मंज़िल की ओर बढ़ता जाता है! उन्होंने समाज के लिए जो कुछ भी किया उसी का अनुभव इस जीवनी द्वारा पाठकों तक पहुँचाने की कोशिश की गई है!

०३१
झुनझुनवाला, शीला
कुछ कही, कुछ अनकही.—दिल्लीः सारांश, २०००.
४३२पृ. एन.एम.एम.एल.

एक लेखक, पत्रकार और एक समीक्षक की अंतर्दृष्टि से समसामयिक राजनीति और शासन तंत्र को लेखिका ने न केवल करीब से देखा है, बल्कि झेला भी है और अपने निष्कर्ष भी निकाले हैं! शीला झुनझुनवाला की इस आत्मकथा में उन उपलब्धियों, अनुभवों, संघर्षों तथा घटनाचक्रों का वर्णन है जो आज भी समाज में कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में लोगों के साथ घटते रहते हैं!

०३२
डंगवाल, प्रमेश
हिम्मत है! (किरन बेदीः एक जीवनी)/द्वारा अनुवादित सरोज वशिष्ठ.—नई दिल्लीः राजकमल, १९९६.
२४८पृ. एन.एम.एम.एल

किरन बेदी भारतीय पुलिस सेवा में आने वाली तथा पुलिस महानिदेशक के पद पर पहुँचने वाली देश की पहली महिला अधिकारी हैं! तिहाड़ जेल की महानिरीक्षक बनने के बाद उन्होंने कैदियों के प्रति सुधारात्मक रवैया अपनाते हुए योग, ध्यान, व संस्कारों की शिक्षा दे कर उनके जीवन को सुधारने का एक मिशन भी चलाया जो काफी कामयाब हुआ! संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि यह एक ऐसी महिला की कहानी है जो हमेशा नदी के बहाव के विरूद्ध तैरना पसंद करती है, भले ही वह प्रतिकूल धारा कितनी भी तेज क्यों न हो!

०३३
तिलक, लक्ष्मीबाई
स्मृति के चित्र/द्वारा अनुवादित रामचन्द्र रघुनाथ सरवाटे.–दिल्लीः साहित्य अकादमी, १९७०.
४६४पृ. सी.एस.एल.
मूल मराठी "स्मृतिचित्रे" से अनुवादित

विख्यात लेखिका एवं कवयित्री लक्ष्मीबाई तिलक का मराठी साहित्य ने बहुत नाम है! अल्प शिक्षित होते हुए भी उन्होंने बहुत ही सुन्दर कविताएँ लिखी और मराठी में अपनी जीवन्त आत्मकथा लिखी!

०३४
तिवारी, विनायक
एक आदर्श महिलाः स्वर्गीय अवंतिकाबाई गोखले के सेवामय जीवन की कहानी.– नई दिल्लीः सत्साहित्य, १९५८.
९१पृ. एन.एम.एम.एल.

महात्मा गाँधी की पहली महाराष्ट्रीय शिष्या, और मराठी में गाँधी जी का जीवन–चरित लिखने वाली श्रीमती अवंतिकाबाई गोखले का जीवन–चरित एक ऐतिहासिक दस्तावेज है! उन्हें स्त्री शिक्षा का आदर्श माना जाता है! उन्होंने एक समाज सेविका के रूप में हिंद महिला समाज की स्थापना के साथ–साथ राष्ट्रीय आंदोलन में भी अपना योगदान दिया था!

०३५
दत्त, गुरुसदय
सरोज नलिनी दत्त का संक्षिप्त जीवन.– कोलकाताः द् बुक, १९२५.
१२५पृ. एन.एम.एम.एल.

एक शिक्षिका, स्वतंत्रता सेनानी एवं एक समाज सेविका के रूप में सरोज नलिनी दत्त का सजीव चित्रांकन लेखक ने किया है! महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिए किए गए कार्यों के लिए उन्हें बंगाल में विशेष रूप से याद किया जाता है!

०३६
दास, कमला
मेरी कहानी.–दिल्लीः हिन्द पॉकेट बुक्स, २०१०.
२२०पृ. एन.एम.एम.एल.

सुप्रसिद्ध कवयित्री एवं लेखिका कमला दास ने प्रस्तुत आत्मकथा में अपनी आत्मा को उकेरा है! अपने माता–पिता एवं पति के परिवार से प्यार की कमी एवं असुरक्षा की भावना ने इन्हें स्वभाव से विद्रोही बना दिया था, जिसकी वजह से उनका कई व्यक्तियों से संबंध रहा है! इसी विद्रोही स्वभाव का वर्णन उन्होंने प्रस्तुत आत्मकथा में किया है!

०३७
दीक्षित, अर्चना
विविध विषय विदूषी प्रो. प्रेमलता शर्माः व्यक्तित्व एवं कृतित्व.– वाराणसीः अर्चना दीक्षित, २००२.
२०१ पृ. सी.एस.एल.

पंजाब में जन्मी परमविदूषी, चिंतिका, संगीतज्ञ, एवं बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न प्रेमलता शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय इस जीवनी में दिया गया है! संगीतशास्त्र को आधुनिक भारतीय विश्वविद्यालय में अध्ययन एवं शोध के क्षेत्र में पूर्ण प्रतिष्ठा दिलाने का जो कार्य उन्होंने किया है वह उन्हें अमर बनाने के लिए पर्याप्त है!

०३८
दीवान, मनोरमा
आज़ादी की बस्ती.—नई दिल्लीः रेमाधव, २००६.
१७१पृ. सी.एस.एल.

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार और लेखिका मनोरमा दीवान की यह आत्मकथा भारत की आज़ादी के लिए लड़े जाने वाले संघर्ष का एक अलग नज़रिये से देखा गया दस्तावेज है!

०३९
देसाई, माधवी
नाच री घुमा/द्वारा अनुवादित प्रतिभा मुदलियार.—दिल्लीः अभिरूची, १९९४.
२८१पृ. एन.एम.एम.एल.
मूल मराठी "नाच ग घुमा" से हिंदी में अनुवादित

महाराष्ट्र में जन्मी माधवी देसाई एक अध्यापिका हैं जिहोंने महाराष्ट्र के एक पारंपरिक खेल "नाच री घुमा" के माध्यम से अपने जीवन की कहानी व्यक्त की है!

०४०
पाठक, एस पद्मजा
शिक्षणतोज्ञा ताराबाई मोदक.—मुंबईः मेजिस्टर बुक्स, १९८१.
४४३पृ. एन.एम.एम.एल.

पद्मभूषण से सम्मानित, मोंटेसरी शिक्षा का प्रारम्भ करने वाली शिक्षाविद्, एक समाज सेविका और एक क्रांतिकारी महिला के रूप में ताराबाई मोदक का नाम अग्रणी है!

०४१
पाठक, प्रज्ञा
सरलाः एक विधवा की आत्मजीवनी.—दिल्लीः परमेश्वरी, २००८.
८४पृ. सी.एस.एल.

इस प्रकार की आत्मजीवनी हिंदी में किसी स्त्री के द्वारा आत्मकथा लिखने का पहला प्रयास है, इसलिए यह ऐतिहासिक भी है! यह इक्कीसवीं सदी की किसी नारीवादी महिला की आत्मकथा नहीं है, बल्कि एक सामान्य स्त्री की आपबीती है!

०४२
पाल, प्रकाशवती
लाहौर से लखनऊ तकः संस्मरण.—लखनऊः विप्लव कार्यालय, १९९४.

२०५पृ. एन.एम.एम.एल.

प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखक एवं विचारक यशपाल की पत्नी श्रीमती प्रकाशवती पाल ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के अनुभवों को अपने संस्मरण द्वारा व्यक्त किया है!

०४३
पुरी, स्वामी तुरीयामृतानंद
अमृतांजली.—कोलमः माता अमृतानंदमयी मिशन ट्रस्ट, १९९६.
१०४पृ. एन.एम.एम.एल.

केरल के एक गाँव में जन्मी माता अमृतानंदमयी देवी अपने मानवतावादी क्रियाशीलता के लिए समस्त विश्व में विख्यात एक महिला संत हैं, जिन्होंने मानवता के कल्याण के लिए अपना संपूर्ण जीवन लगा दिया है! सारे संसार में उन्हें अम्मा के नाम से जाना जाता है! प्रस्तुत जीवनी में उनके बचपन से लेकर वर्तमान जीवन की चर्चा की गई है!

०४४
प्रीतम, अमृता
रसीदी टिकटः आत्मकथा.—दिल्लीः पराग, १९८६.
१५२पृ. एन.एम.एम.एल.;एस.ए.एल.

पंजाब के गूजराँवाला जिले में जन्मी अमृता प्रीतम को पंजाबी भाषा की सबसे पहली कवयित्री माना जाता है! वह एक कवयित्री होने के साथ—साथ एक प्रसिद्ध लेखिका भी थीं! उन्होंने कुल मिलाकर लगभग सौ पुस्तकें लिखी हैं जिनमें उनकी आत्मकथा "रसीदी टिकट" भी शामिल है! उन्होंने वर्जनाओं को न मानते हुए अपना जीवन बिंदास हो कर जिया, और जो कुछ भी किया उसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया! उनका यह साहस और बेबाकीपन उनकी इस आत्मकथा में दृष्टिगोचर हुआ है!

०४५
बख्शी, कमला
स्मृतियों के सान्निध्य में/द्वारा अनुवादित मीरा काँत.— नई दिल्लीः देव, १९९५.
२६५पृ. एन.एम.एम.एल.

हरियाणा के झज्जर जिले में जन्मी प्रसिद्ध समाज सेविका कमला बख्शी ने अपनी आत्मकथा में अपने आरम्भिक जीवन तथा समाज सेवा से जुड़े अनुभवों को कलमबद्ध किया है!

०४६
बजाज, जानकी देवी
मेरी जीवन यात्रा.—नई दिल्लीः सस्ता साहित्य मंडल, १९६५.
२२८पृ. एन.एम.एम.एल.

मध्यप्रदेश के एक मारवाड़ी परिवार में जन्मी जानकी देवी बजाज एक स्वतंत्रता सेनानी थीं जो १९३२ में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान जेल गईं! स्वतंत्रता आंदोलन के साथ—साथ उन्होंने महिलाओं के उत्थान तथा हरिजनों की स्थिति में सुधार के लिए भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए! स्वतंत्रता के बाद विनोबा भावे के साथ

मिलकर उन्होंने भूदान आंदोलन में भी सक्रिय योगदान दिया! अपनी आत्मकथा में उन्होंने मुख्यतः स्वतंत्रता संग्राम के अपने अनुभवों को कलमबद्ध किया है!

०४७
बासु, कृष्णा
स्मृति बिस्मृति, १९४७.– कोलकाताः आंध्र पब्लिशर्स, १९९४.
९२पृ. एन.एम.एम.एल.

प्रसिद्ध कवयित्री कृष्णा बासु का आधुनिक बंगला साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है! उनकी कविताओं में भारतीय पारंपरिकता तथा आधुनिकता का अद्‌भुत सामंजस्य दिखाई देता है!उनकी कविताओं और लेखों में पुरूष प्रधान समाज द्वारा सताई जा रही पीड़ित स्त्रियों की स्थिति में सुधार लाने का सतत प्रयास दिखाई देता है! प्रस्तुत आत्मकथा में उनके सामाजिक और साहित्यिक जीवन की चर्चा की गई है!

०४८
बुद्धिराजा, राज
कुछ खरा कुछ खोटा.–दिल्लीः परमेश्वरी, २००५.
१२०पृ. सी.एस.एल.

राज बुद्धिराजा सुविख्यात शिक्षाविद् एवं बंगला साहित्य की प्रसिद्ध साहित्यकार हैं! आज के अत्याधुनिक भारतीय समाज की प्राचीन संस्कृति को मिट्‌टी में मिलते हुए देखकर उनके मन में जो पीड़ा जागृत होती है, उसी को उन्हौने अपनी आत्मकथा का आधार बनाया है!

०४९
भंडारी, मन्नू
एक कहानी यह भी.– नई दिल्लीः राधाकृष्ण, २००९.
२२७ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

मध्यप्रदेश में मंदसौर जिले के भानपुरा गाँव में जन्मी मन्नू भंडारी हिन्दी साहित्य लेखन में एक जाना–माना नाम हैं! अपनी आत्मकथा में उन्होंने अपनी जीवन–स्थितियों के साथ–साथ अपने दौर की कई साहित्यिक–सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर भी रोशनी डाली है!

०५०
मनीष कुमार
एम. एस. सुबुलक्ष्मी.– दिल्लीः चिल्ड्रन बुक टेम्पल, २००६.
२४ पृ. निप्सड

मदुरई, तमिलनाडू में जन्मी एम एस सुबुलक्ष्मी कर्नाटक संगीत की एक प्रसिद्ध गायिका हैं! परिवार में संगीतमय वातावरण होने के कारण बचपन से ही इन्हें संगीत में रूचि थी! इन्होंने बहुत छोटी उम्र से कर्नाटक संगीत की शिक्षा आरम्भ की और संगीत के क्षेत्र में अपनी गायिकी का सिक्का जमा दिया! अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त इन्होंने भारत की अन्य भाषाओं में भी गाने गाए! इन्होंने तमिल सिनेमा में अभिनय भी किया! इनके इन्हीं विविध रूपों का वर्णन प्रस्तुत जीवनी में किया गया है!

०५१
माधव, नीरजा
अवर्ण महिला कांस्टेबल की डायरी.– नई दिल्लीः राधाकृष्ण, २०१०.
१३६ पृ. डी.पी.एल.

०५२
माली, एम जी
क्रान्ति ज्योति–सावित्री बाई फुले.– नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९८६.
४९पृ. एन.एम.एम.एल.

महाराष्ट्र में जन्मी क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले देश की पहली महिला अध्यापिका व नारी मुक्ति आंदोलन की पहली नेता थीं जिन्होंने अपने पति ज्योतिबा फुले के सहयोग से देश में महिला शिक्षा की नींव रखी! समाज में फैली छुआ–छूत, सती प्रथा, बाल–विवाह तथा विधवा–विवाह निषेध जैसी कुरीतियों तथा कुप्रथाओं का अंत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था! एक "युगस्त्री" के रूप में उनका जीवन–चरित प्रस्तुत जीवनी में चित्रित किया गया है!

०५३
मेहता, कृष्णा
आपबीतीः कश्मीर पर हमला और उसके बाद.–नई दिल्लीः सस्ता साहित्य मंडल, १९९१.
१५१पृ. एन.एम.एम.एल

कश्मीर के तत्कालिक जिलाधीश स्व. दुनीचंद मेहता की मृत्यु के पश्चात उनकी पत्नी कृष्णा मेहता और उनके बच्चों को कितनी भीषण और मार्मिक परिस्थितियों से गुजरना पडा, उसका विशद वर्णन लेखिका ने इस आत्मकथा में किया है!

०५४
मेहता, जयवंतीबेन
एक अविराम यात्रा.–नई दिल्लीः प्रभात, २०१०.
२२६पृ. एन.एम.एम.एल.
मूल अंग्रेज़ी "मार्चिंग विथ टाईम" से अनुवादित

औरंगाबाद, महाराष्ट्र में जन्मी जयवंतीबेन मेहता एक समाज सेविका तथा जानी मानी राजनीतिज्ञ हैं! प्रस्तुत आत्मकथा में उन्होंने अपने सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन का वर्णन किया है!

०५५
मेहरोत्रा, दीप्ति प्रिया
इरोम शर्मिला और मणिपुरी जनता की साहस यात्रा.– दिल्लीः दानिश, २००९.
१५५ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

इरोम शर्मिला की कहानी मणिपुर की कहानी है! प्रस्तुत जीवनी में खूबसूरत किंतु हिंसाग्रस्त प्रदेश के इतिहास व जन–संघर्षो, खासकर महिला आंदोलनों का जीवंत और मार्मिक चित्रण है!

०५६
रस्तोगी, दुर्गाप्रसाद
माननीय श्रीमती पंडित.–प्रयागः रस्तोगी प्रकाशन भवन, १९९६.
२५६पृ. एन.एम.एम.एल

इलाहाबाद में नेहरु परिवार में जन्मी और पंडित जवाहरलाल नेहरू की बहन श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित पहली भारतीय महिला राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष थीं! स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता! उनके इसी व्यक्तित्व का प्रभावपूर्ण वर्णन इस जीवनी में किया गया है!

०५७
राजगुरु, नरेन्द्र
मीना कुमारी–दर्द की खुली किताब.–नई दिल्लीः हिन्दी बुक सेन्टर, २००४.
१९३पृ. सी.एस.एल.

हिन्दी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री मीना कुमारी के बारे में जो कुछ भी इस दास्तान में लिखा गया है वह सब सत्यता के दायरे में रह कर लिखा गया है! उनकी काफी कड़वी मीठी बातें इस आलेख में शामिल हैं!

०५८
राससुंदरी दासी
मेरा जीवन/द्वारा संपादित और अनुवादित सुधा सिंह.– नई दिल्लीः स्वराज प्रकाशन, २०१०.
१४४पृ. सी.एस.एल.
मूल बांगला "आमार जीबोन" से अनुवादित

"आमार जीबोन" शीर्षक से सन् १८७६राससुंदरी देवी की यह आत्मकथा बंगला में पहली बार प्रकाशित हुई थी! इस आत्मकथा के जरिए स्त्री की अस्मिता व तत्कालीन समाज में उसके स्थान तथा दशा पर विस्तृत टिप्पणी की गई है!

०५९
लाजवंती देवी
नूरजहाँ .–दिल्लीः रचना, २००४.
१२८ पृ. सी.एस.एल.

भारत के इतिहास में नूरजहाँ का व्यक्तित्व बड़ा ही मनमोहक रहा है! बेगम नूरजहाँ बहुमुखी प्रतिभा की धनी थीं! असाधारण सुंदरी होने के साथ–साथ वह बुद्धिमती, शील और विवेकसंपन्न भी थीं! उन्होंने प्रशासन और राजनीति में अपनी क्षमता बखूबी सिद्ध की थी! उनके इसी अद्‌भुत व्यक्तित्व का चित्रण इस जीवनी में हुआ है!

०६०
वाडकर, हंसा
अभिनेत्री की आपबीती/द्वारा अनुवादित विजय बापत.–दिल्लीः राजगोपाल, १९७२.
११४पृ. एन.एम.एम.एल.

तेरह साल की उम्र से ही अभिनय के क्षेत्र में पदार्पण करने वाली हंसा वाडकर एक जानी मानी अभिनेत्री और पटकथा लेखिका हैं! इस क्षेत्र में शुरू से लेकर अंत तक जितना संघर्ष किया है उसी का वर्णन उनकी इस आपबीती में है!

०६१
विजय
ब्रजविभव की अपूर्व श्री भक्तिमती उषा बहिन जी.—वृंदावनः ब्रजनिधि, १९९४.
७३२पृ एन.एम.एम.एल.

अंबाला, पंजाब में जन्मी श्री भक्तिमती उषा बहिनजी का जीवन कृष्ण भक्ति का पर्याय रहा है! प्रस्तुत जीवनी में उनकी भक्ति और अनुभवों का अभूतपूर्व चित्रण किया गया है!

०६२
वेद कुमारी
मेरे संस्मरणः वह नये युग का उषाकाल था.—कोलकाताः सत्यपाल थापर, १९६६.
४७पृ. एन.एम.एम.एल

०६३
शास्त्री, उर्मिला
कारागार.— नई दिल्लीः साहित्य अकादेमी, १९९८.
८७पृ. सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.
मूल पुस्तक गुजराती में

उर्मिला शास्त्री एक स्वतंत्रता सेनानी थीं! भारत स्वतंत्रता संग्राम में गाँधीजी द्वारा चलाये गए सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं सत्याग्रह आंदोलन में उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके कारण उन्हें जेल जाना पड़ा! जेल में वहाँ के कर्मचारियों द्वारा कैदियों तथा स्वयं लेखिका के साथ हुए क्रूर और अमानवीय व्यव्वहार का मर्मस्पर्शी वर्णन प्रस्तुत कृति में हुआ है!

०६४
शास्त्री, वेदव्रत
रत्नावली, गोस्वामी तुलसीदास की पत्नीः जीवनचरित्र तथा रचनाएँ.—लखनऊः उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, १९९०.
७१पृ. एन.एम.एम.एल.

तुलसीदास द्वारा त्यागे जाने पर रत्नावली ने जिन रचनाओं के माध्यम से अपनी व्यथा व्यक्त की है, उसी का भावपूर्ण वर्णन और उनका जीवन—चरित्र प्रस्तुत जीवनी में मिलता है!

०६५
शेठना, खोर्शेद अदी
मैडम भीखई रुस्तम कामा.—नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९२.
१५१पृ. एन.एम.एम.एल.

पारसी परिवार में जन्मी भारतीय मूल की फ्रांसीसी नागरिक मैडम भीखई रुस्तम कामा एक स्वतंत्रता सेनानी

के साथ–साथ एक समाज सेविका भी थीं! ब्रिटेन में रह कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया! प्रस्तुत जीवनी में उनके अंग्रेजों के प्रति क्रोध और स्वदेश प्रेम की भावना का चित्रण है!

०६६
सक्सेना, प्रभा
उषादेवी मित्राः व्यक्तित्व एवं कृतित्व.– जयपुरः पंचशील, १९८४.
२८९पृ. एस.ए.एल

बंगला साहित्य की जानी–मानी लेखिका उषादेवी मित्रा की जीवन कथा उनके साहित्य के माध्यम से चित्रित की गई है!

०६७
सचदेव, पद्मा
बूँद–बावड़ी.–नई दिल्लीः वाणी, १९९९.
३६४पृ. एन.एम.एम.एल.

पद्मश्री सम्मान से सम्मानित पद्मा सचदेव डोगरी भाषा की पहली महिला कवयित्री और लेखिका हैं! उन्होंने जम्मू और कश्मीर रेडियो में स्टाफ कलाकार के पद पर और बाद में दिल्ली रेडियो में डोगरी समाचार वाचक के रूप में भी कार्य किया था! उनकी आत्मकथा आपबीती भी है और जगबीती भी है!

०६८
सधीर, जोगेश्वरी
जमुना किनारे मोरा गाँव (संस्मरण).–लोनीः अनीता, २००९.
१२०पृ. सी.एस.एल.

०६९
सहगल, नयनतारा
मेरे बचपन की कहानी/द्वारा अनुवादित मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव.–वाराणसीः ज्ञानमंडल. १९९७.
२६१पृ. डी.पी.एल.; सी.एस.एल.

श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित की सुपुत्री श्रीमती नयनतारा ने अपने बचपन की घटनाओं का वर्णन प्रस्तुत आत्मकथा में किया है!

०७०
सहगल, लक्ष्मी
स्वतंत्रता संग्राम से समाजवाद के संघर्ष तकः मेरी जीवन यात्रा/द्वारा अनुवादित आशा कुमार.– लखनऊः कम्युनिस्ट पार्टी, १९८३.
१५९पृ. एन.एम.एम.एल.; डब्ल्यू.एस.डी.सी

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की सक्रिय कार्यकर्ता, डा.लक्ष्मी सहगल भारत की उन महान महिलाओं में से एक थीं जो बहादुरी और सेवा भावना की अद्भुत मिसाल हैं! वह आज़ाद हिन्द फौज की अधिकारी तथा रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट की कमांडर थीं! उन्होंने "आज़ाद हिन्द सरकार" में महिला मामलों की मंत्री के रूप में भी कार्य किया था! अपनी आत्मकथा में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े अनुभवों का वर्णन किया है!

०७१
सालिम, हमीदा
यादें/द्वारा अनुवादित परवेज़ गौहर.—नई दिल्लीः प्रकाशन संस्थान, २००६.
३०४पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.
मूल उर्दू "शोरिश—ए—दौरां" से अनुवादित

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में जन्मी हमीदा सालिम की ज़िंदगी उर्दू जगत की महान हस्तियों के साथ बीती! साहित्य और लेखन के क्षेत्र में वह काफी लंबे समय से सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करती आ रही हैं! अपनी आत्मकथा में उन्होंने अपने जीवन—वृतांत को बड़ी सादगी से प्रस्तुत किया है!

०७२
सिंधिया, विजयराजे
राजपथ से लोकपथ पर.— दिल्लीः प्रभात, १९९७.
३४०पृ. सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.; एस.ए.एल.

विजयराजे सिंधिया को ग्वालियर की राजमाता के रूप में जाना जाता है! पहले कांग्रेस पार्टी और बाद में भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में लोगों के दिलों पर राज किया! उनका संबंध एक राजपरिवार से था! अपनी ईमानदारी, सादगी और प्रतिबद्धता के कारण वह जनसाधारण की सर्व प्रिय नेता थीं! इस जीवनी में उनके राजसी जीवन के साथ—साथ राजनीतिक जीवन का भी वर्णन है!

०७३
सिन्हा, बिंदु
प्रभा स्मृति.—वाराणसीः सर्व सेवा संघ, १९७४.
३००पृ. सी.एस.एल.

जयप्रकाश नारायण की पत्नी प्रभावती देवी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपने पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जो योगदान दिया था उसी का वर्णन इस जीवनी में किया गया है!

०७४
सिस्टर जेस्मी
आमीनः एक नन की आत्मकथा/द्वारा अनुवादित शुचिता मीतल.— नई दिल्लीः पेंगवीन, २०१०.
१६४पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.; एन.एम.एम.एल.
मूल मलयालम और अंग्रेजी "आमीनः द ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए नन" से अनुवादित

भारत में लिखी गई अपनी तरह की इस पहली पुस्तक में एक नन के रूप में सिस्टर जेस्मी की तैंतीस साल की ज़िंदगी का बेबाक ब्योरा है! यह आत्मकथा कॉन्वेंट की चारदीवारी के बाहर रहकर भी नन की तरह जीवनयापन करती जेस्मी की जीज़स और चर्च में अटूट निष्ठा और आस्था पर मुहर लगाती है!

०७५
सेठ, लीला
घर और अदालतः एक महिला चीफ जस्टिस की कलम से/द्वारा अनुवादित प्रदीप तिवारी.— नई दिल्लीः पेंगवीन, २०१०.

३८४पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.; एन.एम.एम.एल.
मूल अंग्रेजी "ऑन बेलेंसः एन ऑटोबायोग्राफी" से अनुवादित

दिल्ली हाई कोर्ट की पहली महिला जज और भारतीय हाई कोर्ट के इतिहास में पहली महिला चीफ़ जस्टिस, लंदन में बार की परीक्षा में अव्वल आने वाली पहली महिला लीला सेठ ने अपनी आत्मकथा में बड़ी भावुकता और सरलता से अपने जीवन के खुशनुमा पलों के साथ–साथ मुश्किलों को उजागर किया है! कहीं अंतरंग, कहीं पेचीदा और कहीं हँसा देने वाली यह आत्मकथा एक असाधारण महिला, उनके परिवार और उस समय की दिलचस्प और जीवन से भरपूर तस्वीर पेश करती है!

०७६
सेन गुप्ता, अरूणा
विस्मृति के वातायन–पथ से शान्तिनिकेतन/द्वारा अनुवादित बंदना नारायण.–नई दिल्लीः कालिंगाः १९९१.
१२२पृ. एन.एम.एम.एल.

शान्तिनिकेतन में संगीत की शिक्षा प्राप्त करने के दौरान हुए अनुभवों को अरूणा सेन गुप्ता ने अपनी आत्मकथा का आधार बनाया है!

०७७
हठीसिंह, कृष्णा
कोई शिकायत नहीं.–नई दिल्लीः सत्साहित्य, १९५९.
१८४पृ. एन.एम.एम.एल.

इलाहाबाद में जन्मी जवाहरलाल नेहरू की छोटी बहन कृष्णा हठीसिंग एक भारतीय लेखिका थीं! उन्होंने अपनी आत्मकथा में नेहरू परिवार से अपने संबंध के साथ–साथ अपनी भतीजी प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के बारे में लिखा है!

०७८
हलदणकर, वैशाली
बारबालाः एक बार सिंगर की आपबीती/द्वारा अनुवादित पद्मजा घोरपड़े.– नई दिल्लीः वाणी, २००९.
२२० पृ. डब्ल्यू.एस.डी.सी.

मुंबई के एक बार में काम करने वाली वैशाली हलदणकर ने अपनी आत्मकथा में मुंबई के सभी बारों को सरकार द्वारा बंद कर दिए जाने पर हुई असुविधाओं का सजीव वर्णन किया है!

०७९
हीरानंदानी, पोपाती रामचंद
मेरे जीवन के सुनहरे रुपहले पन्ने/द्वारा अनुवादित जिवितराम सतपाल़.–नई दिल्लीः साहित्य अकादमी, १९९२.
११६पृ. डी.पी.एल.; एस.ए.एल.
मूल सिंधी "मुहंजी हायाती जा सोना रूपा वर्का" से अनुवादित

स्वभाव से क्रांतिकारी, अध्यापिका, एवं सिंधी लेखिका ने अपने बचपन से अब तक के जीवन के बारे में चर्चा की है! पोपाती हीरानंदानी ने भारतीय समाज में महिलाओं की दशा को अपनी आत्मकथा का विषय बनाया है!

०८०
हुरजूक, नसीमा
कुर्सी पहियोंवाली/द्वारा अनुवादित गिरीश काशिद एवं चंदा गिरीश.—नई दिल्लीः राजकमल, २०१०.
१६२पृ. सी.एस.एल.

एक विकलांग महिला के अदम्य साहस और संघर्ष की यह जीवनगाथा हम सब को साहस और धैर्य की शिक्षा देती है!

०८१
त्रिवेदी, शान्ती लाल एवं राधा बहन
सरला बहन स्मृति ग्रंथ.—कौसानीः लक्ष्मी आश्रम, १६८४.
३२०पृ. एन.एम.एम.एल.

महात्मा गाँधी की अंग्रेज शिष्या कैथरीन मेरी हेल्मन गाँधीवादी विचारधारा से प्रभावित होकर लंदन से भारत आईं! उन्होंने गाँधीजी के स्वतंत्रता अंदोलन में अपना सक्रिय योगदान दिया! उनकी लगन और कार्य क्षमता को देखते हुए महात्मा गाँधी ने उन्हें "सरला बहन" का नाम दिया! सरला बहन ने स्वतंत्रता संग्राम में योग दान के साथ–साथ समाज में महिलाओं की स्थिति सुधारने में भी अपना सक्रिय योगदान दिया और १६४६ में कौसानी में "लक्ष्मी आश्रम" की स्थापना की, जिसे "कस्तूरबा महिला उत्थान मंडल" के नाम से भी जाना जाता है! प्रस्तुत जीवनी में उनके इन्हीं रूपों का प्रभावशाली वर्णन किया गया है!

अनुक्रमणिकाएँ

जीवनचरित अनुक्रमणिका
(आत्मकथाकार/जीवनी पात्र)

अंसल, कुसुम (१ अगस्त १९४०) ००२

अग्रवाल, प्रतिभा (१० अगस्त १९३०) ००३

अग्रवाल, सुशीला (१९२३) ०११

अजीत कौर (१६ नवम्बर १९३४) ००४

अनुराधा, आर (११ अक्टूबर १९६७) ००६

आमटे, साधना (५ मई १९२६–९ जुलाई २०११) ००८

उषा, पी टी (२० मई १९६४) ००९

एग्निस, फ्लेविया ०१०

कांबले, शान्ता कृष्ण ०१२

कामा, भिखई रुस्तम(२४सितम्बर १८६१–१३ अगस्त १९३६) ०६५

किदवई, बेगम अनीस (१९०६–१९८२) ०१३

कुंती देवी ०१४

कैफी, शौकत (२० अक्टूबर १९२८) ०१५

कौल, क्षमा ०१७

खेतान, प्रभा (१ नवम्बर १९४२–२० सितम्बर २००८) ०१८

खोटे, दुर्गा (१४ जनवरी १९०५–२२ सितम्बर १९९१) ०१९

गायत्री देवी (२३ मई १९१९–२९ जुलाई २००९) ०२२

गुप्ता, राकेशनंदिनी ०२३

गोखले, अवंतिकाबाई(१७ सितम्बर १८८२–२६ मार्च १९४६) ०३४

गोस्वामी, इंदिरा (१४ नवम्बर १९४२–२९ नवम्बर २०११) ०२४

चंद्रकांता (३ सितम्बर १९३८) ०२६

चानू, इरोम शर्मिला (१४ मार्च १९७२) ०५५

चुग़ताई, इस्मत (२१ अगस्त १९२५–२५ अक्टूबर १९९१) ०२८

चौधरी, हेमंतकुमारी देवी (१७ अक्टूबर १८६३–१९५३) ००५

जगजीवनराम, इंद्राणी (१९११–२००२) ०२९

झलकारी बाई (२२ नवम्बर १८३०–१८९०) ००७

झुनझुनवाला, शीला (१९२८) ०३१

टैगोर, मृणालिनी देवी (१८७२–१९०२) ०२७

तायल, शाँति (५ मार्च १९३२) ०३०

तिलक, लक्ष्मीबाई (१८६८–१९३६) ०३३

दत्त, सरोज नलिनी (९ अक्टूबर १८८७–१९ जुलाई १९२४) ०३५

दास, कमला (३१ मार्च १९३४–३१ मई २००९) ०३६

दीवान, मनोरमा ०३८

देसाई, माधवी (२१ जुलाई १९३३) ०३९

नारायण, प्रभावती देवी (१९०६–१५ अप्रैल १९७३) ०७३

पंडित, विजयलक्ष्मी (१८ अगस्त १९००–१ दिसम्बर १९९०) ०५६

पन्ना धाय ०२१

पाल, प्रकाशवती (३१ जनवरी १९१४) ०४२

प्रीतम, अमृता (३१ अगस्त १९१९–३१ अक्टूबर २००५) ०४४

फुले, सावित्री बाई (३ जनवरी १८३१–१० मार्च १८९७) ०५२

बख्शी, कमला (१९२७) ०४५

बजाज, जानकी देवी (७ जनवरी १८९३–२१ मई १९७९) ०४६

बासु, कृष्णा (१७ नवम्बर १९४७) ०४७

बुद्धिराजा, राज (१६ मार्च १९३७) ०४८

बेगम नूरजहाँ (१५७७–१६४५) ०५९

बेदी, किरन (९ जून १९४९) ०३२

बोबो, उषा (३० जुलाई १९२५) ०६१

भंडारी, मन्नू (३ अप्रैल १९३१) ०४९

माता अमृतानंदमयी देवी (२७ सितम्बर १९५३) ०४३

माधव, नीरजा ०५१

मित्रा, उषादेवी (१८९७–१९६६) ०६६

मीना कुमारी (१ अगस्त १९३२–३१ मार्च १९७२) ०५७

मेहता, कृष्णा ०५३

मेहता, जयवंती बेन (२० दिसम्बर १९३८) ०५४

मोदक, ताराबाई (१९ अप्रैल १८९२–१९७३) ०४०

रत्नावली (१५७७–१६५१) ०६४

रानी पद्मिनी (मृत्यु १३०३) ०२०

राससुंदरी दासी (१८०९) ०५८

लाल देद (१३२०–१३९२) ०१६

वाडकर, हंसा (२४ जनवरी १९२३–२३ अगस्त १९७१) ०६०

विलियम्स, सुनीता (१९ सितम्बर १९६५) ००१

वेद कुमारी ०६२

शर्मा, प्रेमलता ०३७

शास्त्री, उर्मिला ०६३

सचदेव, पद्मा (१९४०) ०६७

सधीर, जोगेश्वरी (२७ दिसम्बर १९६०) ०६८

सरला ०४१

सरला बहन (१९०१) ०८१

सहगल, नयनतारा (१० मई १९२७) ०६९

सहगल, लक्ष्मी (२१ अक्टूबर १९१४–२३ जुलाई २०१२) ०७०

सालिम, हमीदा ०७१

सिंधिया, वसुंधरा राजे (८ मार्च १९५३) ०२५

सिंधिया, विजयराजे (११ अक्टूबर १९१९–२५ जनवरी २००१)०७२

सिस्टर जेस्मी (१९५६) ०७४

सुबुलक्ष्मी़, मदुरई शानमुखावदिवु
(१६ सितम्बर १९१६–११ दिसम्बर २००४) ०५०

सेठ, लीला (२० अक्टूबर १९३०) ०७५

सेन गुप्ता, अरूणा ०७६

हठीसिंह, कृष्णा (नवम्बर १९०७–१९६७) ०७७

हलदणकर, वैशाली ०७८

हीरानंदानी, पोपाती रामचंद
(१७ सितम्बर १९२४–१६ दिसम्बर २००५) ०७९

हुरजूक, नसीमा (सितम्बर १९५०) ०८०

नाम अनुक्रमणिका

(लेखक, अनुवादक इत्यादि)

अंजली ००१
अंजुम. इफ्तिख़ार ०२८
अनुजा, मंगला ००५
अनुसूया अनु ००७

कड़कीआ, शीला ०११
कृष्णाबाई ०३४
काँत, मीरा ०४५
काशिद, गिरीश ०८०
कुमार, आशा ०७०
केला, भगवानदास ०१४
कौल, जयालाल ०१६

खान, नसीरुद्दीन हैदर ०१०

गर्ग, दामोदर लाल ०२०, ०२१
गिरीश, चंदा ०८०
गोस्वामी, मामोनी रायसन ०२४
गौड़, संजय ०२५
गौहर, परवेज़ ०७१

घोरपड़े, पद्मजा ०७८

चतुर्वेदी, प्रतिमा ०२५
चट्टोपाध्याय, पूर्णानंद ०२७

जैन, जयकुमार ०३०

डंगवाल, प्रमेश ०३२

टैगोर, रबीन्द्रनाथ ०२७, ०७६

ताँबे, कुसुम ०१६
तिलक, रजनी ०१२
तिवारी, प्रदीप ०७५
तिवारी, विनायक ०३४

दत्त, गुरुसदय ०३५
दीक्षित, अर्चना ०३७

दीक्षित, विश्व प्रकाश ००९
नारायण, बंदना ०७६
नेहरु, कृष्णा ०७७
नेहरू, स्वरूप कुमारी ०५६

पद्मावती ०२०
पाठक, एस पद्मजा ०४०
पाठक, प्रज्ञा ०४१
पुरी, स्वामी तुरीयामृतानंद ०४३

बनर्जी, नीता ०२४
बापत, विजय ०६०
बाबा आमटे ००८

भबतारिणी ०२७
भावे, विनोबा ०११

मनीष कुमार ०५०
महजबीन बानो ०५७
माली, एम जी ०५२
मीतल, शुचिता ०७४
मुदलियार, प्रतिभा ०३९
मेहरुन्निसा ०५९
मेहरोत्रा, दीप्ति प्रिया ०५५

रस्तोगी, दुर्गाप्रसाद ०५६
राजगुरु, नरेन्द्र ०५७
राधा बहन ०८१
लक्ष्मीबाई ००७
राफेल, मेमी ०७४
रैना, शिबन कृष्ण ०१६

लल्लेश्वरी ०१६
लाजवंती देवी ०५९
लेखा दिव्येश्वरी ०७२

विजय ०६१

शाह, एम बी ००८
शास्त्री, वेदव्रत ०६४
शेठना, खोर्शेद अद्री ०६५

श्री भक्तिमती उषा बहिन जी ०६१

श्रीवास्तव, मुकुन्दीलाल ०६९

सक्सेना, प्रभा ०६६
सतपाल़, जिवितराम ०७९
सरवाटे, रामचन्द्र रघुनाथ ०३३

सिंह, सुधा ०५८

सिन्हा, बिंदु ०७३

सुधामनी इदमन्नल ०४३

हेल्मन, कैथरीन मेरी ०८१

त्रिवेदी, शान्ती लाल ०८१

संकेत शब्द अनुक्रमणिका

आंदोलन–भूदान	०११
–राष्ट्रीय	००७, ०१३, ०३४, ०३८, ०४१, ०४६, ०५६, ०६३, ०६५, ०७३, ०७६
–सामाजिक	०३५, ०४०
आत्मकथाएँ	००२, ००३, ००४, ००६ ,००८, ००६, ०१०, ०१२, ०१५, ०१८, ०२३, ०२४, ०२६, ०२८, ०२६, ०३१, ०३३, ०३६, ०३६, ०४४, ०४६, ०४७, ०४६, ०५४, ०५८, ०६०, ०६३, ०६७, ०६६, ०७०, ०७१, ०७४, ०७५, ०७७, ०७८, ०७६
आनंदवन आश्रम	००८
इतिहास	००७, ०२०, ०२१, ०५६
इंडियन नेशनल आर्मी	०७०
इंडियन नेशनल कांग्रेस	०४०
ईस्ट इंडिया कम्पनी	००७
"उड़न परी"	००६
कस्तूरबा महिला उत्थान मंडल	०८१
दलित अध्ययन	०१२, ०२६, ०५१
दुर्गा दल	००७
डाँसबार	०७८
पत्नी–कमाल अमरोही (मीना कुमारी)	०५७
–कैफ़ी आज़मी (शौकत कैफ़ी)	०१५
–गुरूसदय दत्त (सरोज नलिनी दत्त)	०३५
–गोस्वामी तुलसीदास (रत्नावली)	०६४
–जगजीवन राम (इंद्राणी जगजीवनराम)	०२६
–जमनालाल बजाज (जानकी देवी बजाज)	०४६
–जयप्रकाश नारायण (प्रभावती देवी नारायण)	०७३
–जहाँगीर (बेगम नूरजहाँ)	०५६
–जीवाजी राव सिंधिया (विजयराजे सिंधिया)	०७२
–ज्योतिबा फुले (सावित्रीबाई फुले)	०५२

–दुनीचंद मेहता (कृष्णा मेहता) ०५३
–बलदेव तायल (शाँति तायल) ०३०
–मुरलीधर देवीदास आमटे (साधना आमटे) ००८
–यशपाल (प्रकाशवती पाल) ०४२
–रबीन्द्रनाथ टैगोर (मृणालिनी देवी टैगोर) ०२७
–राजेन्द्र यादव (मन्नू भंडारी) ०४६

पुरस्कार – अर्जुन ००६
–दादा साहेब फ़ालके ०१६
–पद्मभूषण ००१, ०५०
–पद्मविभूषण ०३६,०४०,०४४,०४६,०५०,०७०
–पद्मश्री ००४,००६,०१६,०२८,०३१,०४४,०६७
–भारत रत्न ०५०
–रमन मैगसेसे ०३२
–शौर्य ०३२

प्राचीन भारत ०१४, ०६४

ब्रिटिश भारत ००७, ०१३, ०३४, ०३८, ०४२, ०४६, ०५६, ०६३, ०६५, ०७०, ०७३, ०७७, ०७६

भारतीय जनता पार्टी ०५४, ०७२

महाकाव्य–महाभारत ०१४

महिला संत ०१६, ०४३, ०६१

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा–घरेलू हिंसा ०१०

मुग़लकालीन भारत ०२०, ०२१,, ०५६

रंगकलाएँ –अभिनय ०१६, ०५७, ०६०
–थिएटर ०१५, ०१६
–रंगमंच ००३
–संगीत ०५०, ०७६

राजघराना ०२०, ०२२, ०२५, ०५६, ०७२

राजनीतिक भागीदारी ०२०, ०२२, ०२६,, ०५६, ०५६, ०७०, ०७२

रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट ०७०

राष्ट्र सेविका समिति ०५४

लक्ष्मी आश्रम ०८१

विकलांगता ०८०

व्यवसाय –अंतरिक्ष यात्री ००१
–अधिवक्ता ०१०
–अध्यापिकाएँ ०२६, ०३६, ०४०, ०४७, ०४८, ०५२, ०७६
–अभिनेत्री ०१५, ०१६, ०५७, ०६०
–एथलीट ००६
–कवयित्री ०१६, ०२३, ०३६, ०४७, ०५७, ०६७
–गायिकाएँ ०५०, ०७६
–जज ०७५
–डॉक्टर ०७०
–पटकथा लेखन ००२, ००३, ०३१
–पत्रकार ००५, ००६, ०३८
–पुलिस ०३२, ०५१
–मुख्यमंत्री ०२५
–राजदूत ०५६
–राजनीतिज्ञ ०२२, ०२५,, ०५४, ०७२
–लेखिकाएँ ००२, ००४, ०१२, ०१७, ०१८, ०२४, ०२६, ०२८, ०३१, ०३३, ०३६, ०४७, ०४८, ०४६, ०६७, ०६८, ०६६,०७१, ०७७, ०७६
–संगीतज्ञ ०३७
–समाज सेविका ००८, ०३०, ०३४, ०३५,०४०,०४५,०५२,०५४,०८०,०८१

संस्मरण ०१३,०१७,०२२,०२३,०३८,०४२,०४८,०५२,०६२,०६८

साहित्य–अंग्रेजी ०३६,०३८,०६६
–असमी ०२४
–उर्दू ०१५,०२८,०३८,०७१
–कथा साहित्य ०२८
–काव्य साहित्य ०१५,०५७
–शायरी ०१५,०५७
–कश्मीरी ०१६
–डोगरी ०६७
–पंजाबी ००४,०३८,०४४
–कथा साहित्य ००४,०४४
–काव्य साहित्य ०४४
–बंगला ०४७,०४८,०५८,०६०
–कथा साहित्य ०६६
–मराठी ०१२,०१६,०३३
–मलयालम ०३६

–हिन्दी ००३,०१८,०२४,०२६,०३१,०४६,०६४
–कथा साहित्य ००२,०१८,०३१,०४६
–काव्य साहित्य ०१६,०२३,०३६,०४७,०५७,०६७

सिनेमा–हिन्दी ०१५,०१६,०५७,०६०
–मराठी ०१६, ०६०

स्वतंत्रता सेनानी ०१३,०३४,०३८,०४२,०४६,०६३,०६५,०७०,०७७.०८१

स्वास्थ्य–कुष्ठ रोग ००८
–स्तन कैंसर ००६

हिंद महिला समाज ०३४

हेल्पर्स ऑफ द हैंडीकैप्ड ०८०

भौगोलिक क्षेत्र अनुक्रमणिका

अफग़ानिस्तान
—कांधार ०५६

अमरीका ००१

इंग्लैंड
— लंदन ०५६, ०६५, ०८१

पाकिस्तान
—कराची ०७६
—गूजराँवाला ०४४
—लाहौर ००५, ०४२, ०४८

फ्राँस
—पेरिस ०६५

बंगलादेश ०२७

मयंमार
—रंगून ०७०

भारत
—आन्ध्र प्रदेश
—हैदराबाद ०१५

—उत्तर प्रदेश
—अलीगढ़ ००२
—अवध ०७१
—इलाहाबाद ०५६, ०७७
—कानपुर ०२६, ०३१, ०७०
—ग़ाज़ियाबाद ०६८
—झाँसी ००७
—बदायूँ ०२८
—बाराबंकी ०१३
—बुंदेलखंड ००७
—मुरादाबाद ०११
—लखनऊ ०४२, ०७१, ०७५

—वाराणसी ००३

—उत्तराखंड
—कौसानी ०८१

—केरल ००९, ०३६, ०४३, ०७०, ०७४

—जम्मू और कश्मीर ०१६, ०१७, ०२६
—मुज़फ़्फ़राबाद ०५३
—तमिलनाडु ०५०
—चेन्नई ०७०

—दिल्ली ००६. ०२३, ०३२, ०४४, ०४५, ०४८, ०७२

—नॉर्थ ईस्ट
—असम ०२४
—गुवाहाटी ०२४
—मणिपुर ०५५
—पंजाब ०३७, ०३८, ०४४
—अंबाला ०६१
—अमृतसर ०३२

—पश्चिम बंगाल ००५, ०२७, ०४७, ०५८

—कोलकाता ००५, ०७६

—पूर्वी बंगाल ०३५

—बिहार ०७३
—चंपारन ०३४
—मध्यप्रदेश ०४६, ०६८
—इंदौर ०३४, ०४०
—ग्वालियर ०२५, ०७२
—जबलपुर ०६६
—बिलासपुर ००६
—भानपुरा ०४९
—सागर ०७२

—महाराष्ट्र ००८, ०१२, ०१५, ०३९, ०५२
—औरंगाबाद ०५४
—कोल्हापुर ०८०
—गदचिरोली जिला ००८
—मुंबई ०१०,०१५,०१९,०२५,०३४,०४०,०५४,०५७,०६०,०६५,

०७७,०७८, ०७९
—वर्धा ००८
—सोलापुर ०८०

—राजस्थान
—चित्तौड़गढ ०२०, ०२१
—जयपुर ०२५
—उदयपुर ०२२, ०२३

—हरियाणा
—झज्जर ०४५
—हिसार ०३०

रशिया ०५६

सिंगापुर ०७०

भाग – २

जीवनियाँ / आत्मकथाएँ

(बहुल प्रविष्टियाँ)

जीवनियाँ / आत्मकथाएँ

भाग – २

००१

अग्निहोत्री, कृष्णा (८ अक्टूबर १९३४)

वरिष्ठ अध्यापिका एवं कथाकार कृष्णा अग्निहोत्री हिंदी की लोकप्रिय लेखिका हैं! वह लेखक संघ, खंडवा और राष्ट्रीय महिला प्रचार साहित्य समिति की अध्यक्ष हैं! दो खंडों में विभाजित उनकी आत्मकथा में औरत के कई रूप देखने को मिलते हैं! उनका लेखक रूप एकदम निर्भीक है! प्रस्तुत आत्मकथाओं द्वारा लेखिका ने अपने विश्वास, अविश्वास, साहस और भय, मूल्यों, नैतिकता और जीवन–रहस्यों को खोलने का प्रयास किया है!

१.१
अग्निहोत्री, कृष्णा
और...और...औरत.– नई दिल्लीः सामयिक, २०१०.
१६० पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.; डी.पी.एल.; एन.एम.एम.एल.

१.२
अग्निहोत्री, कृष्णा
लगता नहीं है दिल मेरा.– नई दिल्लीः सामयिक, २०१०.
३५२ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

००२

गाँधी, इंदिरा (१९ नवम्बर १९१७–३१ अक्टूबर १९८४)

इलाहाबाद में जन्मी, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुत्री और देश की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की इन जीवनियों तथा आत्मकथाओं में उनके बचपन से लेकर राजनीतिक कार्यों का विशद वर्णन है! जीवनियों तथा आत्मकथाओं की इस श्रृंखला में **४३** संदर्भ हैं जिनके द्वारा पाठकों को एक ओजस्वी महिला के निजी जीवन और कार्यकलापों की सच्ची झलक मिलती है! संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि इन जीवनियों की यात्रा श्रीमती इंदिरा गाँधी के समग्र व्यक्तित्व की अंतर्यात्रा है!

२.१
अहलुवालिया, बी के
इंदिरा गाँधी.– नई दिल्लीः हेमकुंट, १९७३.
५६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२
आचार्य भगवानदेव
अमर शहीद राष्ट्रमाता श्रीमती इंदिरा गाँधी.–नई दिल्लीः योगमंदिर.
४०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३
कौशिक, अशोक
इंदिरा गाँधीः एक आलोचनात्मक जीवनी.– दिल्लीः सूर्या, १९९१.
२९५पृ. एन.एम.एम.एल.

२.४
कौशिक, शिवकुमार
प्रियदर्शिनी इंदिरा गाँधी.– नई दिल्लीः आत्माराम, १९७०.
३१५पृ. एन.एम.एम.एल.; सी.एस.एल.

२.५
गाँधी, इंदिरा
आनंद भवन की स्मृतियाँ तथा अन्य निबंध/द्वारा अनुवादित मृणाल पांडे.–नई दिल्लीः इंदिरा गाँधी स्मृति न्यास, १९९०.
३३पृ. एन.एम.एम.एल.

२.६
गाँधी, इंदिरा
जीवन के कुछ पृष्ठ/द्वारा अनुवादित राजेन्द्र अवस्थी.– दिल्लीः राजपाल, १९८२.
१८६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.७
गाँधी, इंदिरा
बचपन के दिन/द्वारा अनुवादित सुमन जैन.– दिल्लीः इंदिरा गाँधी स्मृति न्यास, १९९०.
१५०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.८
गुप्ता, विद्या
विजयश्रीः प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की चित्रमयी जीवन झाँकी.–लखनऊः हरजीवराम प्रकाशन एवं साहित्य केन्द्र, १९७२.
४०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.९
गुर्टू, अरविंद
इंदिरा गाँधीः पुनर्मूल्याँकन.– दिल्लीः प्रकाशन संस्थान, २००४.
२६३ पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय

२.१०
टंडन, पी.डी
इंदिराजीः पत्रों और मुलाकातों के आइने में.–नई दिल्लीः राजपाल, १९८५.
१२०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.११
झुनझुनवाला, शीला
इंदिरा गाँधीः अनछुए प्रसंग.—नई दिल्लीः राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रकाशन परिषद, १९९२.
१०३पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१२
दीपचंद्र निर्मोही
विश्व की सर्वाधिक संघर्षशील महिला श्रीमती इंदिरा गाँधी.—नई दिल्लीः सरस्वती हाऊस, १९८५.
१३६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१३
नारायण, विभव
भारतमाता इंदिरा गाँधी.—दिल्लीः धर्मअर्थ प्रकाशन, १९७९.
१२८पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१४
पांडे, बिशम्भरनाथ
इंदिरा गाँधी/द्वारा अनुवादित श्रीकृष्ण गोपाल.—नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९७.
४६०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१५
पांडे, मृणाल
इंदिरा गाँधीः स्मृति—संदर्भ.— दिल्लीः सरस्वती, १९९०.
२३२पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१६
पांडे, रत्नाकर
प्रियदर्शिनी.—नई दिल्लीः सरस्वती, १९९०.
२३२पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१७
पाठक, नरेन्द्र
इंदिरा गाँधी(जीवन और संघर्ष).—दिल्लीः संमार्ग, १९७९.
८५पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१८
पारीक, सत्येन्द्र
इंदिरा प्रियदर्शिनी.—जयपुरः राजस्थान प्रकाशन, १९७७.
१६०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.१६
बावालिया, हनुमान प्रसाद
राष्ट्रमाता श्रीमती इंदिरा गाँधी.—झुनझुनुः अनुपम, १६८५.
३००पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२०
बिरला, कृष्ण कुमार
इंदिरा गाँधीः अंतरंग संस्मरण.— नई दिल्लीः विकास, १६८८.
२११ पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२१
बेगानी, कमला देवी
भारत रत्न श्रीमती इंदिरा गाँधी.—इलाहाबादः आध्यात्मिक पुष्पांजलि, १६८५.
११०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२२
भ्रमर, शोभा
इंदिरा गाँधीः जीवनी और शहादत.—दिल्लीः हिंद पॉकेट बुक्स, १६८५.
१३४पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२३
मनीष कुमार
इंदिरा गाँधी.— दिल्लीः स्काई एन्टरप्राईज़ेज़, २००८.
२४पृ. निप्सड

२.२४
मिश्रा, कन्हैया लाल
इंदिरा गाँधी.—नई दिल्लीः सरस्वती, १६७७.
१४६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२५
मित्रा, रागिनी
कहानी प्रियदर्शिनी की.—इलाहाबादः आशु, १६८४.
२६६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२६
मुखर्जी, श्रावणी
इंदिरा गाँधीः बहुआयामी व्यक्तित्व.— दिल्लीः त्रिमूर्ति प्रकाशन, २००४.
२३२पृ. सी.एस.एल.

२.२७
मुखोपाध्याय, शुभ्रा
याद आती हैः इंदिरा गाँधी संस्मरण/द्वारा अनुवादित अमर गोस्वामी.—नई दिल्लीः पूर्वोदय, १९९४.
१२६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२८
राजेन्द्र कुमार
मानवता की मसीहाः इंदिरा गाँधी.—दिल्लीः पांडुलिपि प्रकाशन, १९८५.
१०२पृ. एन.एम.एम.एल.

२.२९
वर्मा, दिनेशचन्द्र
इंदिरा गाँधी.— इंदौरः अंजनी, १९७६.
१७८पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३०
वासुदेव, उमा
क्रान्तिजाः इंदिरा गाँधी की जीवनी.— गुडगांवः शुभी, २००५.
१०७ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.
मूल अंग्रेजी "इंदिरा गाँधीः करेज़ अंडर फायर" से अनुवादित

२.३१
वासुदेव, उमा
इंदिरा गाँधी के दो चेहरे.— दिल्लीः राधाकृष्ण, १९७७.
२१६पृ एन.एम.एम.एल.

२.३२
शंकर, अलका
इंदिरा प्रियदर्शिनी.—नई दिल्लीः सी.बी.टी., १९८६.
१६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३३
शरद, ओंकार
इंदिरा गाँधी.—इलाहाबादः साहित्य भंडार, १९८५.
१७६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३४
शर्मा, गोपी किशन
भारत से इंदिरा और इंदिरा से भारत.— जयपुरः साहित्यगार, २००४.
१३१ पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय

२.३५
शर्मा, राजेश
इंदिरा गाँधीः नेतृत्व के दस वर्ष.—दिल्लीः संमार्ग, १९७६.
६६पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३६
शास्त्री, धर्मपाल
बेटी हिन्दुस्तान की (भारत रत्न श्रीमती इंदिरा गाँधी).— दिल्लीः आर्य प्रकाशन मंडल, १९७२.
६९पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३७
श्रीशरण
इंदिरा गाँधीः व्यक्तित्व और कृतित्व.—दिल्लीः आधुनिक प्रकाशन, १९९५.
२४०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.३८
सारस्वत, माधवानन्द
सहस्त्राब्दी की प्रथम महिला इंदिरा गाँधी.— पिलानीः संजना प्रकाशन, २०११.
१५२ पृ. सी.एस.एल.; मारवाड़ी पुस्तकालय

२.३९
सिंह, खुशवंत
इंदिरा गाँधी/द्वारा अनुवादित अजय राय.— दिल्लीः आनंद, १९७९.
१४८पृ.. एन.एम.एम.एल.

२.४०
सिंह, थम्मन
इंदिरा गाँधीः एक जीवन दर्शन.— दिल्लीः संमार्ग, २००२.
२०८पृ. सी.एस.एल.

२.४१
सिन्हा, रघुवीर
इंदिरा प्रियदर्शिनीः एक व्यक्तित्व.—आगराः प्रगति, १९६६.
१६०पृ. एन.एम.एम.एल.

२.४२
हठीसिंह, कृष्णा
इन्दू से प्रधानमंत्रीः इंदिरा गाँधी की पारिवारिक जीवन—कथा.— नई दिल्लीः सस्ता साहित्य मंडल, २००५.
३०५ पृ. मारवाडी पुस्तकालय; सी.एस.एल.

२.४३
हेमंत कुमार
इंदिरा गाँधीः व्यक्तित्व और विचार.—नई दिल्लीः विश्वभारती, २००६.
१६८पृ. सी.एस.एल.

००३
गाँधी, कस्तूरबा (११ अप्रैल १८६६—२२ फरवरी १६४४)

गुजरात के पोरबंदर शहर में जन्मी, गाँधी जी की पत्नी तथा स्वतंत्रता संग्राम में सबसे पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती कस्तूरबा गाँधी जिनका नाम ही स्वतंत्रता का पर्याय बन गया है "बा " के नाम से जानी जाती हैं! मानव—हृदय और मानव—चित्त की शुचिता की प्रतीक कस्तूरबा के जीवन का अद्‌भुत वर्णन इन जीवनियों में मिलता है!

३.१
पाठक, अलका
कस्तूरबा गाँधी.—नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १६६०.
२०पृ. एन.एम.एम.एल.

३.२
पारीख, वनमाला एवं नय्यर, सुशीला
हमारी बाः उनकी जीवन कस्तूरी/द्वारा अनुवादित काशीनाथ त्रिवेदी.—अहमदाबादः नवजीवन, १६४५.
२१३पृ. सी.एस.एल.

३.३
शर्मा, महेश
कस्तूरबा गाँधी.— नई दिल्लीः प्रभात, २००८.
११०पृ. निप्सड

३.४
सिंह, सविता
नारी—शक्ति की प्रतीक कस्तूरबा.—नई दिल्लीः गाँधी स्मृति और दर्शन स्मृति, १६६४.
१३६पृ. एन.एम.एम.एल.

००४
गाँधी, सोनिया (६ दिसम्बर १६४६)

भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की बहु तथा राजीव गाँधी की पत्नी श्रीमती सोनिया गाँधी का जन्म इटली के एक गाँव में हुआ था! प्रधानमंत्री राजीव गाँधी की मृत्यु के बाद उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष तथा यूपीए की प्रमुख चुनी गईं! उनके आरम्भिक जीवन से लेकर वर्तमान जीवन का लेखा—जोखा इन जीवनियों में वर्णित है!

४.१
राजस्वी, एम आई
सोनिया गाँधीः भारत की राजनीति को नई दिशा.—जयपुरः अनु, २००६.
१५१पृ. एन.एम.एम.एल.

४.२
सारस्वत, माधवानन्द
ग्रेट लेडी ऑफ वर्ल्डः श्रीमती सोनिया गाँधी.— पिलानीः प्रियंका, २०१०.
२२४ पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय

००५
चट्टोपाध्याय, कमलादेवी (३१ अप्रैल १९०३—२९ अक्टूबर १९८८)

मैंगलौर, कर्नाटक के एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में जन्मी कमलादेवी चट्टोपाध्याय एक समाज सेविका, एक स्वतंत्रता सेनानी तथा एक राजनीतिज्ञ के साथ—साथ एक अच्छी अभिनेत्री भी थीं! हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय से विवाह के बाद अभिनय और पटकथा लेखन में उनका रूझान और बढ़ गया था! महात्मा गाँधी द्वारा चलाए गए "असहयोग आंदोलन" तथा "नमक सत्याग्रह"में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है! इन सब से ऊपर स्वतंत्रता युग के दौरान भारत के पारंपरिक हस्तशिल्प को पुनर्जीवित करने तथा महिलाओं के सामाजिक—आर्थिक विकास के लिए उनकी अभूतपूर्व भूमिका के लिए उन्हें याद किया जाता है! "ऑल इंडिया वूमन्स कॉन्फ्रेंस" तथा नई दिल्ली में "लेडी इर्विन कॉलेज फॉर होम साइंस" की स्थापना का श्रेय भी इन्हीं को जाता है! प्रस्तुत जीवनियों में उनके महान चरित्र का सजीव वर्णन हुआ है!

५.१
गोपाल, उषा
कमलादेवी चट्टोपाध्याय.— नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९०.
२५पृ. एन.एम.एम.एल.

५.२
रत्नम, कमला
कमलादेवीः एक समर्पित व्यक्तित्व.—दिल्लीः आलेख, १९७९.
३००पृ. एन.एम.एम.एल.

००६
चावला, कल्पना(१ जुलाई १९६१—१ फरवरी २००३)

एक भारतीय—अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और अंतरिक्ष शटल विशेषज्ञ कल्पना चावला का जन्म और प्रारम्भिक शिक्षा करनाल, हरियाणा में हुई! अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले वह "नासा" में एक वैज्ञानिक के पद पर कार्य कर रही थीं ! उनकी जीवनगाथा और अंतरिक्ष विज्ञान को समर्पित उनके महान कार्यों की जानकारी प्रस्तुत जीवनियों में दी गई है!

६.१
पद्मनाभन, अनिल
कल्पना चावलाः सितारों से आगे.– नई दिल्लीः प्रभात, २०११.
८० पृ. निप्सड

६.२
भाटिया, सुदर्शन
भारत की गरिमाः अमरीका की शान डा. कल्पना चावला.– दिल्लीः हर्षिता, २००४.
२८८पृ. सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.

६.३
महंती, सुबोध
कल्पना चावला सितारों की ओरः अंतरिक्ष यात्रा का संक्षिप्त इतिहास/द्वारा अनुवादित योगेश बजाज.–नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, २००४.
१२२पृ. सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.

००७
चौहान, सुभद्रा कुमारी (१६ अगस्त १९०४–१५ फरवरी १९४८)

प्रसिद्ध कवयित्री एवं लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म इलाहाबाद के निकट निहालपुर गाँव में हुआ था! हिन्दी साहित्य की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका के रूप में उनके जीवन तथा कृतित्व का अंतरंग विश्लेषण प्रस्तुत जीवनियों में अत्यंत सरल तथा मार्मिक ढ़ंग से किया गया है!

७.१
चौहान, सुधा
सुभद्रा कुमारी चौहान.–दिल्लीः साहित्य अकादमी, १९८१.
१०० पृ. एन.एम.एम.एल.; एस.ए.एल.

७.२
मनीष कुमार
सुभद्रा कुमारी चौहान.– दिल्लीः अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन, २००८.
२४पृ. निप्सड

७.३
शर्मा, राजेश
सुभद्रा कुमारी चौहानः जीवनी.–दिल्लीः वी.एन. प्रकाशन, २००५.
९६पृ. एन.एम.एम.एल.

००८
नसरीन, तसलीमा (२५ अगस्त १९६२)

पूर्वी पाकिस्तान के मयमनसिंह शहर में जन्मी तसलीमा नसरीन व्यवसाय से डॉक्टर होते हुए भी एक ऐसी लेखिका हैं जो नारीवाद से संबंधित विषयों पर अपने प्रगतिशील विचारों के लिए चर्चित और विवादित रही हैं! स्त्री के स्वाभिमान और अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने बहुत कुछ खोया, जिसकी पराकाष्ठा थी देश निकाला! पाँच खंडों में विभाजित आत्मकथाओं में उन्होंने अपनी इन्हीं व्यथाओं का वर्णन किया है! प्रस्तुत आत्मकथाएँ कई दृष्टियों से अनोखी और ऐतिहासिक महत्व की हैं! यह पहली बार है जब किसी लेखिका ने अपनी जीवन कथा इतनी अंतरंगता और सूक्ष्म ब्योरों के साथ लिखी है!

८.१
नसरीन, तसलीमा
औरत का कोई देश नहीं / द्वारा अनुवादित सुशील गुप्ता.– नई दिल्लीः वाणी, २००८.
२३५पृ.(आत्मकथा खंड,१) डी.पी.एल.

८.२
नसरीन, तसलीमा
द्विखंडित / द्वारा अनुवादित सुशील गुप्ता.– नई दिल्लीः वाणी, २००६.
३३७ पृ.(आत्मकथा खंड, ३) डब्ल्यू.एस.डी.सी.; सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.

८.३
नसरीन, तसलीमा
मुझे घर ले चलो(आत्मकथा) / द्वारा अनुवादित सुशील गुप्ता.– नई दिल्लीः वाणी, २००७.
३५६ पृ.(आत्मकथा खंड, ५) सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.

८.४
नसरीन, तसलीमा
मेरे बचपन के दिन / द्वारा अनुवादित अमर गोस्वामी.– नई दिल्लीः वाणी, २००८.
२९६पृ. (आत्मकथा खंड, २) वी.वी.जी.एन.एल.आई; एन.एम.एम.एल..

८.५
नसरीन, तसलीमा
वे अंधेरे दिन / द्वारा अनुवादित सुशील गुप्ता.– नई दिल्लीः वाणी, २००४.
४६५पृ.(आत्मकथा खंड, ४) सी.एस.एल.; एन.एम.एम.एल.

००९
नायडू, सरोजिनी (१३ फरवरी १८७९–२ मार्च १९४९)

हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश में जन्मी श्रीमती सरोजिनी नायडू भारतीय और अंग्रेजी साहित्य जगत की एक गंभीर कवयित्री, विचारक, दार्शनिक एवं भारत देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं! उनकी उच्च कोटि की कविताओं के कारण उन्हें स्वदेश में "गाने वाली चिड़िया" और विदेश में "भारत कोकिला" कह कर सम्मानित

किया गया! महात्मा गाँधी तथा देश की असंख्य महिलाओं के साथ मिलकर स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने सक्रियता से अपना योगदान दिया! राष्ट्रीय आंदोलन के साथ–साथ कांग्रेस पार्टी की प्रमुख बनकर महिला सशक्तिकरण को भी उन्होंने बल दिया! भारत के स्वतंत्र होने पर उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया! इन छः जीवनियों में सभी उपलब्ध ऐतिहासिक स्त्रोतों के अध्ययन से प्राप्त तथ्यों का वर्णन किया गया है!

६.१
पाठक, उमा
सरोजिनी नायडू.–दिल्लीः आत्माराम, २०००.
२२३ पृ. एन.एम.एम.एल.

६.२
बेग, तारा अली
सरोजिनी नायडू.–नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९७.
२२२पृ. एन.एम.एम.एल.

६.३
माजदा असद
सरोजिनी नायडू.–नई दिल्लीः एन.सी.ई.आर.टी, १९९१.
७९ पृ. एन.एम.एम.एल.

६.४
सिंघल, सचिन
सरोजिनी नायडू.– दिल्लीः अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन, २००७.
२४ पृ. निप्सड

६.५
सिंह, रचना
सरोजिनी नायडू (जीवन एवं कृतित्व).–वाराणसीः ऋषि, १९९१.
२३७ पृ. एन.एम.एम.एल.

६.६
सेनगुप्ता, पद्मिनी
सरोजिनी नायडू/द्वारा अनुवादित महेन्द्रकुमार वर्मा.–नई दिल्लीः साहित्य अकादेमी, १९७८.
१०८पृ. सी.एस.एल..; एस.ए.एल.

०१०
नेहरू, कमला (१ अगस्त १८९९– २८ फरवरी १९३८)

देश के एक समृद्ध और सम्मानित परिवार की बहू और पं. जवाहरलाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू को सौम्यता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति के रूप में याद किया जाता है! दिल्ली के एक भारतीय परंपरावादी कश्मीरी ब्राह्मण परिवार में जन्म होने के कारण हिंदू संस्कार इनके चरित्र का एक प्रमुख हिस्सा थे, लेकिन पश्चिमी परिवेश वाले नेहरू परिवार में उन्हें एकदम विपरीत माहौल मिला जिसमें वह खुद को अलग थलग महसूस करती रहीं!

अपने जीवन की व्यथाओं को अहमियत न देकर निःस्वार्थ भाव से देश की रक्षा के लिए तत्पर रहना उनके व्यक्तित्व की गरिमा को दर्शाता है! प्रस्तुत जीवनियों में उनके इसी महान चरित्र का वर्णन मिलता है!

१०.१
कल्हन, प्रोमिला
कमला नेहरूः एक आत्मीय जीवनचरित.– दिल्लीः विकास, १९७४.
१३६ पृ. एन.एम.एम.एल.

१०.२
श्रीवास्तव, राजकुमारी
श्रीमती कमला नेहरू.–प्रयागः छात्र–हितकारी पुस्तकमाला, १९३६.
४८पृ. एन.एम.एम.एल.

१०.३
साही, कृष्णा
कमला नेहरूः स्वतंत्रता सेनानी और नारी मुक्ति की पुरोधा.–दिल्लीः काँग्रेस शताब्दी समारोह, (१९८५).
१४५पृ. एन.एम.एम.एल.

०११
पाटिल, प्रतिभा देवीसिंह (१९ दिसम्बर १९३४)

एक मध्य वित्त परिवार से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचने वाली प्रतिभा देवीसिंह पाटिल स्वतंत्र भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं! राजनीति में आने से पहले श्रीमती पाटिल एक सफल वकील थीं! वकालत के साथ–साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जलगाँव की गरीब महिलाओं के सशक्तिकरण व ग्रामीण विकास के लिए उन्होंने बहुत से कार्य किए हैं! राष्ट्रपति बनने से पूर्व वह राजस्थान के राज्यपाल के पद पर भी रह चुकी हैं! इन जीवनियों में उनके उल्लेखनीय योगदान का सरल व सजीव चित्रण मिलता है!

११.१
पंकज कुमार
भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल.– नई दिल्लीः अमृत, २००७.
१२५ पृ. डी.पी.एल.

११.२
सिंह, ऋतु
राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिलः भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति.– दिल्लीः राजपाल, २००७.
१११ पृ. सेन्ट्रल लायब्रेरी(डी.यू.)

११.३
सिंह, निशांत
प्रतिभा पाटिलः महिला सशक्तिकरण की प्रतीक .– दिल्लीः जसवन्ती, २००८.
१४४ पृ. डी.पी.एल.

११.४
सुनीता रानी
भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपतिः प्रतिभा पाटिल.– नई दिल्लीः संस्कार, २००६.
६६ पृ. डी.पी.एल.

११.५
त्रिपाठी, मधुसूदन
भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपतिः प्रतिभा पाटिल.– दिल्लीः प्रकाश, २००७.
१११ पृ. सी.एस.एल.; डी.पी.एल.

०१२
पुष्पा, मैत्रेयी(३० नवंबर १९४४)

अलीगढ़, उत्तर प्रदेश मे जन्मी मैत्रेयी पुष्पा हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध लेखिका हैं! दो भागों में प्रकाशित इन की आत्मकथाओं का मुख्य मुद्दा पुरुषवादी व्यवस्था द्वारा स्त्रियों पर सदियों से लादी गई गुलामी से मुक्ति और स्त्री सशक्तिकरण है! इसी कारण ये कृतियाँ निश्चय ही हिन्दी के आत्मकथात्मक लेखन को एक नई दिशा और तेवर देती हैं! इन आत्मकथाओं में एक स्त्री के बहु–व्यक्तित्व और एक लेखिका की ईमानदार आत्म–स्वीकृतियों का लेखा–जोखा है!

१२.१
पुष्पा, मैत्रेयी
कस्तूरी कुण्डल बसै.– नई दिल्लीः राजकमल, २००६.
३२३ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

१२.२
पुष्पा, मैत्रेयी
गुड़िया भीतर गुड़िया.– नई दिल्लीः राजकमल, २००६.
३५२ पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

०१३
बेसेंट, ऐनी (१ अक्टूबर १८४७–२० सितम्बर १९३३)

थियोसोफिकल सोसाइटी और भारतीय होम रूल आंदोलन में अपनी विशिष्ट भागीदारी निभाने वाली ऐनी बेसेंट का जन्म लंदन में हुआ था! उन्होंने समाज सेविका के रूप में महिलाओं के अधिकार, धर्म–निरपेक्षता, और मजदूरों के हक़ के लिए बहुत संघर्ष किया! प्रस्तुत जीवनियों में उनके जीवन की बाहरी घटनाओं के साथ–साथ आंतरिक संघर्ष का भी चित्रण हुआ है! इन संस्मरणों को जीवन्त बनाने के लिए ऐनी बेसेंट की आत्मकथा, स्वरचित ग्रंथ, लेख व भाषण आदि को भी आधार बनाया गया है!

१३.१
अय्यर, सी पी रामास्वामी
ऐनी बेसेंट/द्वारा अनुवादित सूर्य नारायण मुंशी.– नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९८१.

१४४पृ. एन.एम.एम.एल.; सी.एस.एल.; सी.डब्ल्यू.डी.एस.

१३.२
गुप्त, आशा्
ऐनी बेसेंट(लंदन १८४७–भारत १९३३).–नई दिल्लीः आत्माराम, २०००.
१६८पृ. एन.एम.एम.एल.; सी.एस.एल.

१३.३
नागोरी, एस एल
ऐनी बेसेंट एवं भारत का राष्ट्रीय आंदोलन.–जयपुरः पॉइन्टर., १९९५.
१५०पृ. एन.एम.एम.एल

१३.४
मेहता, विमला
ऐनी बेसेंट.–नई दिल्लीः एन.सी.ई.आर.टी., १९९१.
१०१पृ. एन.एम.एम.एल

१३.५
राजकुमार
ऐनी बेसेंट.–नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९८८.
३१पृ. एन.एम.एम.एल

०१४
भगिनी निवेदिता(२८ अक्टूबर १८६७–१३ अक्टूबर १९११)

भगिनी निवेदिता उर्फ मार्ग्रेट एलिज़ाबेथ नोबल एक अंग्रेज़–आाइरिश सामाजिक कार्यकर्ता, लेखिका, शिक्षिका तथा स्वामी विवेकानंद की शिष्या थीं! स्वामी विवेकानंद ने ही इन्हें भगिनी निवेदिता का नाम दिया था! इन्होंने न केवल देश की आज़ादी की लड़ाई लड़ने वाले देशभक्तों की मदद की बल्कि महिला शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया! सिस्टर निवेदिता का संपूर्ण जीवन साहस तथा निष्ठा का प्रतिरूप है, जो समस्त मानव जाति के लिए एक बहुमूल्य योगदान है! प्रस्तुत जीवनियों में उनके अद्भुत व्यक्तित्व का चित्रण हुआ है!

१४.१
चक्रवर्ती, वसुधा
सिस्टर निवेदिता.–नई दिल्लीः नेशनल बुक ट्रस्ट, १९७७.
९४पृ. एन.एम.एम.एल.

१४.२
सिंह, राणा प्रताप
भगिनी निवेदिता.–लखनऊः लोकहित, १९९२.
१६२पृ. एन.एम.एम.एल.

१४.३
सुमित कुमार
भगिनी निवेदिता.– दिल्लीः ज्ञान गंगा, २००७.
२४ पृ. निप्सड

०१५
मंगेशकर, लता (२८ सितम्बर १९२९)

भारत रत्न विभूषित स्वर कोकिला लता मंगेशकर का जन्म इंदौर, मध्यप्रदेश में संगीत से जुड़े परिवार में हुआ था! वह एक विख्यात पार्श्वगायिका हैं जिन्होंने २० भाषाओं में लगभग तीस हजार गाने गाये हैं! पाँच वर्ष की छोटी आयु से ही उन्होंने नाटकों तथा फ़िल्मों में अभिनय करना आरम्भ कर दिया था! किन्तु संगीत में दिलचस्पी होने के कारण मराठी फिल्मों से उन्होंने पार्श्व गायन का आरम्भ किया! प्रस्तुत जीवनियों में भारत की सबसे लोकप्रिय एवं आदरणीय गायिका के छः दशकों के कार्यकाल की उपलब्धियों का वर्णन है!

१५.१
भिमानी, हरीश
लता दीदीः अजीब दास्ताँ है ये.– नई दिल्लीः वाणी, २००६.
३७४पृ. सी.एस.एल.

१५.२
भिमानी, हरीश
लता मंगेशकरः एक जीवनी.– नई दिल्लीः रूपा, १९९५.
३८०पृ. एन्.एम.एम.एल.

०१६
मदर टेरेसा(२६ अगस्त १९१०–५ सितम्बर १९९७)

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित विश्व प्रसिद्ध समाज सेविका मदर टेरेसा मानवता, दया, प्रेम आदि मानवोचित्त गुणों का मूर्त रूप थीं! दुखियों–दरिद्रों, निराश्रितों–असहायों, परित्यक्तों–विकलांगों की सेवा करना ही उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य था! उनका जन्म युगोस्लाविया के स्कोपज नगर में हुआ था, परंतु उन्होंने अपने कर्मक्षेत्र के रूप में भारत को चुना और एक शिक्षिका के रूप में अपना जीवन आरम्भ किया! उनके उदात व्यक्तित्व तथा प्रशंसनीय कार्यों का वर्णन प्रस्तुत नौ जीवनियों में किया गया है!

१६.१
गौड़, यतीन्द्रनाथ
ममता की मूरत–मदर टेरेसाः एक जीवनी.–दिल्लीः राजसूर्य, १९९९.
८०पृ. एन.एम.एम.एल.

१६.२
चावला, नवीन
माँ टेरेसा/द्वारा अनुवादित सब्र सिंह.– नई दिल्लीः किताब घर, १९९६.

२०८पृ. एन.एम.एम.एल.

१६.३
चौबे, कृपाशंकर
करूणामूर्ति मदर टेरेसा.– हावड़ाः प्रज्ञा, १९९४.
७४पृ. सी.एस.एल; एन.एम.एम.एल.

१६.४
तिवारी, वी के
मदर टेरेसा.– दिल्लीः विक्रांत, २००५.
७१ पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय

१६.५
तिवारी, विनोद कुमार
मदर टेरेसा.– दिल्लीः संमार्ग, २००६.
८१ पृ. एन.एम.एम.एल.

१६.६
राणा, भवान सिंह
मदर टेरेसा.–नई दिल्लीः भारतीय ग्रंथ निकेतन, १९८६.
१५६पृ. एन.एम.एम.एल.

१६.७
रायचौधरी, सुदेव
माँ टेरेसा.– नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९८०.
१२५पृ. एन.एम.एम.एल.

१६.८
शर्मा, महेश दत्त
गरीबों की मसीहाः मदर टेरेसा.– दिल्लीः साहित्य मंदिर, २००५.
१२७ पृ . मारवाड़ी पुस्तकालय; एन.एम.एम.एल.; सी.एस.एल.

१६.९
श्रीशरण
मदर टेरेसा.– दिल्लीः आधुनिक, २००४.
६८ पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय

०१७
मायावती(१५ जनवरी १९५६)

बहुजन समाज पार्टी की नेता और उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी मायावती का जन्म दिल्ली में एक सरकारी कर्मचारी के घर हुआ था! वह पहली दलित महिला हैं जो भारत के किसी राज्य की मुख्यमंत्री बनी हैं! राजनीति

में आने से पूर्व वह दिल्ली के एक स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्य करती थीं, किन्तु १९७७ में कांशीराम के संपर्क में आने के बाद उन्होंने एक पूर्ण कालिक राजनीतिज्ञ बनने का निर्णय लिया! अपने समर्थकों में वह "बहनजी" के नाम से जानी जाती हैं! प्रस्तुत जीवनियों में मूल रूप से उनके राजनीतिक जीवन का वर्णन किया गया है!

१७.१
गजभिये, अशोक
अतुलनीय महिला मायावती.– मुंबईः सुयोग, २००२.
२१०पृ. सी.एस.एल.

१७.२
बोस, अजय
बहन जीः एक राजनैतिक जीवनी.–नई दिल्लीः वाणी, २००८.
२७९पृ. सी.एस.एल.

०१८
मीराबहन (२२ नवम्बर १८९२–२० जुलाई १९८२)

इंग्लैंड में एक ब्रितानी कुलीन परिवार में जन्मी मीरा बहन उर्फ मेडलिन स्लेड गाँधीवादी विचारधारा से प्रभावित हो कर भारत आईं! उन्होंने गाँधी जी के स्वतंत्रता आंदोलन में अपना सक्रिय सहयोग देना आरम्भ किया! उनकी लगन और कार्य क्षमता को देखते हुए महात्मा गाँधी ने उन्हें "मीरा बेन" का नाम दिया! उन्होंने देश में खादी तथा सत्याग्रह आंदोलन का बड़े जोर–शोर से प्रचार किया! वर्धा के निकट "सेवाग्राम आश्रम" की स्थापना में उनका महत्वपूर्ण योगदान था! उन्हें एक समाज सुधारक के रूप में भी याद किया जाता है! महात्मा गाँधी और मीरा बेन के संबंधों को सहज रूप में प्रस्तुत करती यह जीवनियाँ अनूठी कथाकृतियाँ हैं!

१८.१
कक्कड, सुधीर
मीरा और महात्मा/द्वारा अनुवादित अशोक कुमार.– नई दिल्लीः राजकमल, २००५.
२१६पृ. सी.डब्ल्यू.डी.एस.

१८.२
गुप्ता, कृष्णामूर्ति
मीरा बहनः गाँधीजी की शिष्या और बेटी.– नई दिल्लीः हिमालय सेवा संघ, १९९३.
२१६पृ. एन.एम.एम.एल.

१८.३
गुप्ता, शैल
मीरा बहन.– नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९२.
२२पृ. एन.एम.एम.एल..

०१६
मीराबाई (१५०४ ई.– १५६० ई)

कृष्णभक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री मीराबाई का जन्म जोधपुर के निकट मेड़ता गाँव में हुआ था! बचपन से ही कृष्ण भक्ति में उनका रूझान रहा था! उनका विवाह उदयपुर के महाराणा कुमार भोजराज के साथ हुआ था! पति की मृत्यु के बाद उनकी कृष्ण भक्ति अपनी पराकाष्ठा पर पहुँच गई थी, और वह घर–संसार से विरक्त हो कर गृह त्याग कर द्वारका और वृंदावन चली गई जहाँ उन्होंने कृष्ण–भक्ति के पदों की रचना की! जीवन के प्रचलित प्रसंगों का सत्यान्वेषण इन कृतियों की प्रमुख विशेषता है! यहाँ मीरा चरित्र के संस्कारों, दुर्द्धर्ष संघर्ष के तप और सम्पूर्ण मानवता के प्रति समग्र समर्पण भावना को प्रस्तुत किया गया है!

१६.१
बालकृष्ण
मीरा (सरल भाषा में मीरा की जीवनी और कुछ चुनी हुई रचनाएँ).– दिल्लीः नेशनल, १६५८.
४०पृ. सी.एस.एल.

१६.२
भटनागर, राजेन्द्र मोहन
जोगिन (महियसी मीराबाई के जीवन पर आधृत).–जयपुरः अजमेर बुक कंपनी, २००५.
१३६पृ. सी.एस.एल.

१६.३
भाटी, हुकुम सिंह
मीराबाईः ऐतिहासिक व सामाजिक विवेचन.– जोधपुरः राजस्थानी साहित्य संस्थान, १६८७.
५२पृ. एन.एम.एम.एल.

१६.४
लाल, श्रीकृष्ण
मीराबाई (जीवन–चरित और आलोचना).– प्रयागः हिन्दी साहित्य सम्मेलन.
१७६पृ. डी.पी.एल.

०२०
रानी चेनम्मा(१७७८–२ फरवरी १८२६)

उत्तर भारत में जो स्थान स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में महारानी लक्ष्मीबाई का है, कर्नाटक में वही स्थान कित्तूर की रानी चेनम्मा का है! उन्होंने लक्ष्मीबाई से पहले ही अंग्रेज़ों की सत्ता को सशस्त्र चुनौती दी थी और उनकी हड़प नीति (डॉक्ट्रिन ऑफ लेप्स) तथा कर संग्रह प्रणाली के विरूद्ध संघर्ष किया था! भारत में आज भी उन्हें स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाली पहली शासिका के रूप में याद किया जाता है! साहस और वीरता से भरपूर उनकी जीवन–गाथा का रोचक वर्णन प्रस्तुत जीवनियों में मिलता है!

२०.१
शर्मा, आशा
रानी चेनम्मा.– दिल्लीः शब्द सागर, २००६.
११२ पृ. सी.एस.एल.

२०.२
शर्मा, पवित्र कुमार
रानी चेनम्माः कर्नाटक की महारानी की जीवन–गाथा.– नई दिल्लीः बालाजी, २०११.
१५१ पृ. एस.ए.एल.

०२१
रानी दुर्गावती(५ अक्टूबर १५२४–२४ जून १५६४)

अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन करते हुए आत्म बलिदान करने वाली रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध रानियों में गिनी जाती हैं! महोबा के राठ गाँव में दुर्गा अष्टमी के दिन जन्म लेने के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया! वह मध्यप्रदेश के गोंडवाना की शासिका थीं और बड़ी बहादुरी से मुग़ल शासकों से लड़ते हुए उन्होंने आत्म बलिदान कर दिया! उनके व्यक्तित्व का सजीव वर्णन उनकी इन जीवनियों में किया गया है!

२१.१
जायसवाल, कल्पना
रानी दुर्गावती और उनका शासनकाल.– नई दिल्लीः नॉर्दन बुक सेंटर, १९९८.
३२२पृ. एन.एम.एम.एल.

२१.२
मिश्र, सुरेश
रानी दुर्गावती(प्रामाणिक जीवनवृत).– भोपालः मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, १९८३.
७०पृ. सी.एस.एल.

२१.३
शशि प्रभा
रानी दुर्गावती.– नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९०.
२१पृ. एन.एम.एम.एल.

०२२
रानी लक्ष्मीबाई(१९ नवम्बर १८३५–१८५७)

रानी लक्ष्मीबाई मराठा शासित झाँसी राज्य की महारानी और १८५७ के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना थीं! इनका जन्म काशी के पुण्य व पवित्र क्षेत्र असीघाट–वाराणसी में हुआ था! उनके महान व्यक्तित्व के अनेक देखे–अनदेखे पहलुओं का वर्णन इन आठ जीवनियों में किया गया है, और उनकी प्रसिद्धि पर नए कोण से दृष्टिपात किया गया है!

२२.१
कपिल
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई.— नई दिल्लीः प्रतिभा प्रतिष्ठान, २००८.
२४पृ. निप्सड

२२.२
गांगुली, कल्पना
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई.— दिल्लीः प्रभात, २००६.
१५२पृ. एन.एम.एम.एल.

२२.३
नारायण, शान्ति
महारानी झाँसीः सन् १८५७ के स्वातंत्र्य संग्राम की गौरव गाथा.—दिल्लीः शिक्षा भारती, २००६.
२१६पृ. एन.एम.एम.एल.

२२.४
परसनीस दत्तात्रेय, बलवंत
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई.— इलाहाबादः साहित्य भवन, १९६४.
२६४पृ. एन.एम.एम.एल.

२२.५
वर्मा, वृंदावनलाल
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई.—झाँसीः मयूर, १९८२.
४८१पृ. एन.एम.एम.एल.

२२.६
शर्मा, पवित्र कुमार
झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई.— नई दिल्लीः बालाजी, २०११.
१५१ पृ. मारवाड़ी पुस्तकालय; एस.ए.एल.

२२.७
शर्मा, शशि
रानी लक्ष्मीबाई.— नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९०.
२२पृ. एन.एम.एम.एल.

२२.८
हर्डीकर, श्रीनिवास बालाजी
रानी लक्ष्मीबाई.— दिल्लीः नेशनल, १९६८.
२५४पृ. एन.एम.एम.एल.

०२३
वर्मा, महादेवी(२६ मार्च १९०६–११ सितम्बर १९८७)

उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद में जन्मी महादेवी वर्मा हिन्दी भाषा की छायावादी युग की प्रतिभावान कवयित्री हैं! इन्हें आधुनिक युग की मीरा कहा जाता है! इनका कार्यक्षेत्र लेखन, संपादन और अध्यापन रहा है! इन्होंने इलाहाबाद में "प्रयाग महिला विद्यापीठ" की स्थापना की तथा इसकी कुलपति एवं प्रधानाचार्य भी रहीं! हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए इन्होंने प्रयाग में "साहित्यकार संसद" की स्थापना के साथ–साथ महिलाओं की प्रमुख पत्रिका "चाँद" का संपादन भी किया! उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की विलक्षणता का वर्णन इन जीवनियों में किया गया है!

२३.१
तेवतिया, विमलेश
महादेवी वर्माः व्यक्तित्व और कृतित्व.– मथुराः अमर, २००८.
३०४पृ. सी.एस.एल.

२३.२
नागर, शिवचंद
महादेवीः विचार और व्यक्तित्व.– मुरादाबादः गरिमा, २०००.
२५०पृ. सी.एस.एल.

२३.३
वर्मा, महादेवी
अतीत के चल–चित्र.– इलाहाबादः भारती भंडार, १९७५.
११६फृ. एन.एम.एम.एल.; डी.पी.एल.; सी.एस.एल.

०२४
शेर–गिल, अमृता (३० जनवरी १९१३–५ दिसम्बर १९४१)

भारतीय मूल की हंगरी के बुडापेस्ट शहर में जन्मी अमृता शेर–गिल की गिनती बीसवीं शताब्दी के भारत के सबसे महत्वपूर्ण और प्रतिभाशाली चित्रकारों में होती है! वह भारतीय आधुनिक चित्रकला के दौर की सबसे पहली चित्रकार हैं, उन्हें भारत की फ्रीडा काहलो कहा जाता है! उन्होंने भारतीय ग्रामीण महिलाओं के चित्रों और भारतीय नारी की वास्तविक स्थिति के ऐसे यथार्थवादी चित्रों की रचना की है जिस की चर्चा संसार भर में हुई और यही उनके चित्रों की विशेषता भी है! उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय का परिचय प्रस्तुत जीवनियों द्वारा मिलता है!

२४.१
आनंद, मुल्कराज
अमृता शेर–गिल.– नई दिल्लीः राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा, १९८९.
८७पृ. एन.एम.एम.एल.

२४.२
नंदन, कन्हैया लाल
अमृता शेर–गिल.– नई दिल्लीः पराग, १९८७.
१३५पृ. एन.एम.एम.एल.

०२५
श्री आनंदमयी माँ (३० अप्रैल १८९६–२७ अगस्त १९८२)

पूर्वी बंगाल के एक प्रतिष्ठित ब्राह्मण परिवार में जन्मी श्री आनंदमयी माँ एक आध्यात्मिक व्यक्तित्व के रूप में समस्त विश्व में प्रसिद्ध हैं! प्रस्तुत जीवनियों में उनके आविर्भाव, बाल लीलाओं, वैवाहिक जीवन, लौकिक कर्तव्य–निर्वाह, तथा भावसमाधि का विस्तृत विवेचन हुआ है! उनके जीवन चरित्र की अनिर्वचनीय शक्ति से परिचय कराने का प्रयास इन जीवनियों में हुआ है!

२५.१
राय, ज्योतिषचंद्र
मातृ दर्शनः जीवन चरित्र.–कोलकाताः श्री आनंदमयी चैरिटेबल सोसायटी, १९८५.
१४६पृ. एन.एम.एम.एल.

२५.२
श्रीवास्तव, प्रेमलता
या देवी सर्व भूतेषुः श्री श्री माँ आनंदमयी.–दिल्लीः नेशनल बुक ऑर्गेनाइजेशन, १९९३.
२३५पृ. एन.एम.एम.एल.

०२६
श्री माँ सारदादेवी(२२ दिसम्बर १८५३–२१ जुलाई १९२०)

निर्मल पवित्रता, असाधारण सहिष्णुता, निष्काम सेवा भाव, निःस्वार्थ प्रेम भावना तथा अभूतपूर्व आध्यात्मिक प्रकाश से ओतप्रोत श्री माँ सारदादेवी का जन्म कोलकाता के निकट जयरामबती नामक गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था! इनका विवाह स्वामी रामकृष्ण परमहंस से हुआ था! रामकृष्ण आंदोलन के विकास में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है! उनके गरिमामयी व्यक्तित्व का चित्रण प्रस्तुत जीवनियों में हुआ है!

२६.१
पवित्रानंद
श्री श्री माँ सारदादेवी/द्वारा अनुवादित जयराम मिश्रा.–कोलकाताः अद्वैत आश्रम, १९७४.
९५पृ. एस.ए.एल.

२६.२
स्वामी गम्भीरानंद
श्री माँ सारदादेवी.–कोलकाताः अदैत आश्रम, १९९९.
६२५पृ. एन.एम.एम.एल.

०२७
सरस्वती, पंडिता रमाबाई (२३ अप्रैल १८५८–५ अप्रैल १९२२)

प्रख्यात विदुषी और समाज सुधारक पंडिता रमाबाई का जन्म मैसूर रियासत में हुआ था! रमाबाई असाधारण रूप से प्रतिभावान थीं! अपने पिता से उन्होंने संस्कृत भाषा का ज्ञान प्राप्त किया जिसके लिए उन्हें "सरस्वती" और "पंडिता" की उपाधियाँ प्राप्त हुईं! महिलाओं के सामाजिक उत्थान के लिए उन्होंने विशेष कार्य किए! विधवाओं के लिए "शारदा सदन" की स्थापना की और "कृपा सदन" नाम से महिलाओं के लिए आश्रम भी बनवाया! इनके इसी विशिष्ट व्यक्तित्व की चर्चा प्रस्तुत जीवनियों में की गई है!

२७.१
देवधर, ज्योत्स्ना
रमाबाई.–इलाहाबादः लोकभारती, १९९६.
२३६पृ. एन.एम.एम.एल

२७.२
नेने, जी पी
पंडिता रमाबाई.– इलाहाबादः नीलाभ, १९९७.
१३८पृ. एन.एम.एम.एल

०२८
होल्कर, अहिल्याबाई (३१ मई १७२५–१३ अगस्त १७९५)

मध्यप्रदेश के एक छोटे से गाँव चौंदी में जन्मी अहिल्याबाई होल्कर एक ऐसा नाम है जिसे आज भी हर भारतवासी बड़ी श्रद्धा से स्मरण करता है! वह एक महान शासक और मालवा की महारानी थीं! अहिल्याबाई को "पुण्यश्लोक" भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने जो भी सामाजिक कार्य किए वह सबके लिए आदर्श हैं! वह एक उदार रानी, एक ममतामयी माँ, न्यायप्रिय और एक कुशल प्रशाशक भी थीं, जिसके कारण लोग उन्हें "देवी" समझने और कहने लगे थे! गहन अध्ययन और शोध के बाद लिखी गई इन जीवनियों में देवी अहिल्या का संपूर्ण व्यक्तित्व पूरी तरह से उभर कर आया है!

२८.१
जवलेकर, अरविन्द
लोकमाता अहिल्याबाई.– नई दिल्लीः प्रभात, २००५.
१५०पृ. निप्सड

२८.२
पाल, पुष्पा
अहिल्याबाई होल्कर.– नई दिल्लीः प्रकाशन विभाग, १९९२.
२६पृ. एन.एम.एम.एल.

२८.३
बर्वे, मुकुन्द वामनराव
देवी अहिल्याबाई होल्कर.– इंदौरः लेखक, १९२२.

२४५पृ. एन.एम.एम.एल.

२८.४
शर्मा, हीरा लाल
अहिल्याबाई.— नई दिल्लीः नेशनल बुक ट्रस्ट, १९८१.
१३०पृ. एन.एम.एम.एल.; निप्सड; डी.पी.एल.; एस.ए.एल.;

अनुक्रमणिकाएँ

जीवनचरित अनुक्रमणिका
(आत्मकथाकार/जीवनी पात्र)

अग्निहोत्री, कृष्णा (८ अक्टूबर १९३४) १.१–२

गाँधी, इंदिरा (१९ नवम्बर १९१७–३१ अक्टूबर १९८४) २.१–४३

गाँधी, कस्तूरबा (११ अप्रैल १८६९–२२ फरवरी १९४४) ३.१–४

गाँधी, सोनिया (९ दिसम्बर १९४६) ४.१–२

चट्टोपाध्याय, कमलादेवी
(३१ अप्रैल १९०३–२९ अक्टूबर १९८८) ५.१–२

चावला, कल्पना (१ जुलाई १९६१–१ फरवरी २००३) ६.१–३

चौहान, सुभद्रा कुमारी
(१६ अगस्त १९०४–१५ फरवरी १९४८) ७.१–३

नसरीन, तसलीमा (२५ अगस्त १९६२) ८.१–५

नायडू, सरोजिनी (१३ फरवरी १८७९–२ मार्च १९४९) ९.१–६

नेहरू, कमला (१ अगस्त १८९९– २८ फरवरी १९३८) १०.१–३

पाटिल, प्रतिभा देवीसिंह (१९ दिसम्बर १९३४) ११.१–५

पुष्पा, मैत्रेयी (३० नवंबर १९४४) १२.१–२

बेसेंट, ऐनी (१ अक्टूबर १८४७–२० सितम्बर १९३३) १३.१–५

भगिनी निवेदिता (२८ अक्टूबर १८६७–१३ अक्टूबर १९११) १४.१–३

मंगेशकर, लता (२८ सितम्बर १९२९) १५.१–२

मदर टेरेसा(२६ अगस्त १९१०–५ सितम्बर १९९७) १६.१–९

मायावती (१५ जनवरी १९५६) १७.१–२

मीराबहन (२२ नवम्बर १८९२–२० जुलाई १९८२) १८.१–३

मीराबाई (१५०४ ई.– १५६० ई) १६.१–४

रानी चेनम्मा (१७७८–२१ फरवरी १८२६) २०.१–२

रानी दुर्गावती (५ अक्टूबर १५२४–२४ जून १५६४) २१.१–३

रानी लक्ष्मीबाई (१६ नवम्बर १८३५–१८५७) २२.१–८

वर्मा, महादेवी (२६ मार्च १९०६–११ सितम्बर १९८७) २३.१–३

शेर–गिल, अमृता (३० जनवरी १९१३–५ दिसम्बर १९४१) २४.१–२

श्री आनंदमयी माँ (३० अप्रैल १८९६–२७ अगस्त १९८२) २५.१–२

श्री माँ सारदा देवी (२२ दिसम्बर १८५३–२० जुलाई १९२०) २६.१–२

सरस्वती, पंडिता रमाबाई(२३ अप्रैल १८५८–५ अप्रैल १९२२) २७.१–२

होल्कर, अहिल्याबाई (३१ मई १७२५–१३ अगस्त १७९५) २८.१–४

नाम अनुक्रमणिका
(लेखक, अनुवादक इत्यादि)

अय्यर, सी पी रामास्वामी	१३.१
अवस्थी, राजेन्द्र	२.६
अशोक कुमार	१८.१
अहलुवालिया, बी के	२.१
आचार्य भगवानदेव	२.२
आनंद, मुल्कराज	२४.१
कक्कड, सुधीर	१८.१
कपिल	२२.१
कल्हन, प्रोमिला	१०.१
कौशिक, अशोक	२.३
कौशिक, शिवकुमार	२.४
गजभिये, अशोक	१७.१
गांगुली, कल्पना	२२.२
गुप्त, आशा	१३.२
गुप्ता, कृष्णामूर्ति	१८.२
गुप्ता, विद्या	२.८
गुप्ता, शैल	१८.३
गुप्ता, सुशील	८.१–३, ८.५
गुर्टू, अरविंद	२.९
गोपाल, उषा	५.१
गोस्वामी, अमर	८.४
गौड़, यतीन्द्रनाथ	१६.१
चक्रवर्ती, वसुधा	१४.१
चावला, नवीन	१६.२
चौबे, कृपाशंकर	१६.३
चौहान, सुधा	७.१
जवलेकर, अरविन्द	२८.१
जायसवाल, कल्पना	२१.१
जैन, सुमन	२.७
टंडन, पी.डी	२.१०
झुनझुनवाला, शीला	२.११

तिवारी, विनोद कुमार १६.५
तिवारी, वी के १६.४
तेवतिया, विमलेश २३.१

दीपचंद्र "निर्मोही" २.१२
धर, ज्योत्स्ना २७.१

नंदन, कन्हैया लाल २४.२
नागर, शिवचंद २३.२
नागोरी, एस एल १३.३
नायर, सुशीला ३.२
नारायण, विभव २.१३
नारायण, शान्ति २२.३
निर्मला सुंदरी २५.१–२
नेने, जी पी २७.२
नेहरू, इंदिरा प्रियदर्शिनी २.१–४३
नेहरू, जवाहर लाल २.१–४३
नोबल, मार्ग्रेट एलिजाबेथ १४.१–३

पंकज कुमार ११.१
पद्मनाभन, अनिल ६.१
परसनीस दत्तात्रेय, बलवंत २२.४
पवित्रानंद २६.१
पांडे, बिशम्भरनाथ २.१४
पांडे, मृणाल २.१५
पांडे, रत्नाकर २.१६
पाठक, अलका ३.१
पाठक, उमा ६.१
पाठक, नरेन्द्र २.१७
पारीक, सत्येन्द्र २.१८
पारीख, वनमाला ३.२
पाल, पुष्पा २८.२

बजाज, योगेश ६.३
बर्वे, मुकुन्द वामनराव २८.३
बावालिया, हनुमान प्रसाद २.१६
बालकृष्ण १६.१
बिरला, कृष्ण कुमार २.२०
बेग, तारा अली ६.२
बेगानी, कमला देवी २.२१
बेजाक्सिउ, एग्नेस गोनाक्सा १६.१–६
बोस, अजय १७.१–२

भटनागर, राजेन्द्र मोहन १६.२
भ्रमर, शोभा २.२२
भाटिया, सुदर्शन ६.२
भाटी, हुकुम सिंह १६.३
भिमानी, हरीश १५.१–२

मनीष कुमार २.२३; ७,२
मणिकर्णिका २२.१–८
महंती, सुबोध ६.३
माजदा असद ६.३
मायनो, सोनिया ४.१–२
मायावती नैना कुमारी १७.१–२
मिश्र, सुरेश २१.२
मिश्रा, कन्हैया लाल २.२४
मित्रा, रागिनी २.२५
मुंशी, सूर्य नारायण १३.१
मुखर्जी, श्रावणी २.२६
मुखोपाध्याय, शुभ्रा २.२७
मुखोपाध्याय, सारदामणि २६.१–२
मेहता, विमला १३.४

रत्नम, कमला ५.२
राजकुमार १३.५
राजस्वी, एम आई ४.१
राजेन्द्र कुमार २.२०
राणा, भवान सिंह १६.६
राय, ज्योतिषचंद्र २५.१
रायचौधरी, सुदेव १६.७

लाल, श्रीकृष्ण १६.४

वर्मा, दिनेशचन्द्र २.२६
वर्मा, महेन्द्रकुमार ६.६
वर्मा, वृंदावनलाल २२.५
वासुदेव, उमा २.३०–३१
वुड, ऐनी १३.१–५

शंकर, अलका २.३२
शरद, ओंकार २.३३
शर्मा, आशा २०.१
शर्मा, गोपी किशन २.३४
शर्मा, पवित्र कुमार २०.२; २२.६
शर्मा, महेश ३.३

शर्मा, महेश दत्त १६.८
शर्मा, राजेश २.३५; ७.३
शर्मा, शशि २२.७
शर्मा, हीरा लाल २८.३
शशि प्रभा २१.३
शास्त्री, धर्मपाल २.३६

श्रीकृष्ण गोपाल २.१४
श्रीवास्तव, प्रेमलता २५.२
श्रीवास्तव, राजकुमारी १०.२
श्रीशरण २.३७; १६.६

सारस्वत, माधवानन्द २.३८; ४.२
साही, कृष्णा १०.३
सिंघल, सचिन ६.४
सिंह, खुशवंत २.३६
सिंह, थम्मन २.४०
सिंह, ऋतु ११.२
सिंह, निशांत ११.३
सिंह, रचना ६.५
सिंह, राणा प्रताप १४.२
सिंह, सविता ३.४
सिंह, सब्र १६.२
सिन्हा, रघुवीर २.४१
सुनीता रानी ११.४
सुमित कुमार १४.३
सेनगुप्ता, पद्मिनी ६.६
स्लेड, मेडेलिन १८.१–३
स्वामी गम्भीरानंद २६.२

हठीसिंह, कृष्णा २.४२
हर्डीकर, श्रीनिवास बालाजी २२.८
हेमंत कुमार २,४३

त्रिवेदी, काशीनाथ ३.२
त्रिपाठी, मधुसूदन ११.५

संकेत शब्द अनुक्रमणिका

आंदोलन–राष्ट्रीय ३.१–४; ५.१–२; ६.१–५; १०.१–३; १३.१–५; १८.१–३; २०.१–२; २२.१–८

आत्मकथाएँ १.१–२; ८.१–५; १२.१–२

आर्य महिला समाज २७.१–२

ऑल इंडिया वूमन्स कॉन्फ्रेंस ५.१–२

इतिहास २०.१–२; २१.१–३; २२.१–८; २८.१–४

इंडियन नेशनल कांग्रेस ४.१–२; १३.१–५

ईस्ट इंडिया कम्पनी २२.१–८

थियोसॉफी १३.१–५

दलित अध्ययन १७.१–२

निर्मल हृदय १६.१–६

पत्नी–गंगाधर राव (रानी लक्ष्मीबाई) २२.१–८

–जवाहर लाल नेहरू (कमला नेहरू) १०.१–३

–दलपत शाह (रानी दुर्गावती) २१.१–३

–देवीसिंह रणसिंह पाटिल (प्रतिभा देवीसिंह पाटिल) ११.१–५

–फिरोज़ गाँधी (इंदिरा गाँधी) २.१–४३

–भोजराज (मीराबाई) १६.१–४

–मोहनदास करमचंद गाँधी (कस्तूरबा गाँधी) ३.१–४

–राजीव गाँधी (सोनिया गाँधी) ४.१–२

–रामकृष्ण परमहंस (माँ सारदादेवी) २६.१–२

–स्वरूप नारायण वर्मा (महादेवी वर्मा) २३.१–३

–हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय (कमलादेवी चट्टोपाध्याय) ५.१–२

पुरस्कार –दादा साहेब फ़ालके १५.१–२

–नोबेल १६.१–६

–पद्मभूषण ५.१–२; १५.१–२

–पद्मविभूषण ५.१–२; १५.१–२; १८.१–३; २३.१–३

–पद्मश्री १६.१–६

–भारत रत्न २.१–४३; १५.१–२; १६.१–६

–रमन मैगसेसे ५.१–२

प्राचीन भारत १६.१–४

ब्रिटिश भारत ३.१–४; ५.१–२; ६.१–५; १०.१–३; १३.१–५; १८.१–३; २०.१–२; २२.१–८

महिला संत १६.१–६; १६.१–४; २५.१–२; २६.१–२

मुग़लकालीन भारत २१.१–३

रंगकलाएँ–अभिनय १५.१–२
–थिएटर १५.१–२
–चित्रकला २४.१–२
–संगीत १५.१–२

राजघराना १६.१–४; २०.१–२; २१.१–३; २२.१–८; २८.१–४

राजीव गाँधी फाउंडेशन ४.१–२

रामकृष्ण मिशन १४.१–३; २६.१–२

लेडी इर्विन कॉलेज फॉर होम साइंस ५.१–२

व्यवसाय–अंतरिक्ष यात्री ६.१–३
–अधिवक्ता ११.१–५
–अध्यापिकाएँ १.१–२; १६.१–६; १७.१–२; २३.१–३; २७.१–२
–कवयित्री ७.१–३; ६.१–५; १६.१–४; २३.१–३; २७.१–२
–गायिकाएँ १५.१–२
–चित्रकार २४.१–२
–प्रधानमंत्री २.१–४३
–मुख्यमंत्री १७.१–२
–राज्यपाल ६.१–५; ११.१–५
–राजनीतिज्ञ २.१–४३; ४.१–२; ६.१–५; ११.१–५; १७.१–२
–राष्ट्रपति ११.१–५
–लेखिकाएँ १.१–२; ८.१–५; १२.१–२
–वैज्ञानिक ६.१–३
–समाज सेविका ५.१–२; ११.१–५; १३.१–५; १४.१–३; १८.१–३; २७.१–२; २८.१–४

शारदा सदन २७.१–२

साहित्य–अंग्रेजी ६.१–५
–हिन्दी १.१–२; ७.१–३; १२.१–२; २३.१–३
–कथा साहित्य १.१–२; १२.१–३
–काव्य साहित्य ७.१–३; ६.१–५; १६.१–४; १६.१–४; २३.१–२; २७.१–२
–छायावाद २३.१–३
सिनेमा–हिन्दी १५.१–२

स्वतंत्रता सेनानी ३.१–४; ५.१–२; ६.१–५; १३.१–५

होम रूल लीग १३.१–५

भौगोलिक क्षेत्र अनुक्रमणिका

अमरीका ६.१–३
अल्बानिया १६.१–६
आयरलैंड १४.१–३

इंग्लैंड
–लंदन १३.१–५; १८.१–३
इटली ४.१–२

फ्राँस
–पेरिस २४.१–२

बंगलादेश ८.१–५

भारत
–आन्ध्र प्रदेश
–हैदराबाद ६.१–६

–उत्तर प्रदेश ६.१–६
–अलीगढ़ १२.१–२
–इलाहाबाद २.१–४३; ७.१–३; १०.१–३; २३.१–३
–गौतमबुद्धनगर जिला १७.१–२
–झाँसी २२.१–८
–फर्रुखाबाद २३.१–३
–महोबा जिला २१.१–३
–लखनऊ १७.१–२
–वाराणसी २२.१–८

–उत्तराखंड
–देहरादून २५.१–२

–कर्नाटक
–कित्तूर २०.१–२
–मैंगलौर ५.१–२

–गुजरात
–अहमदाबाद ३.१–३
–पोरबंदर ३.१–३

–तमिलनाडु
–चेन्नई १३.१–५

—दिल्ली	२.१—४३; ४.१—२; ५.१—२; १०.१—३; ११.१—५; १७.१—२
—पंजाब	
—अमृतसर	२४.१—२
—पश्चिम बंगाल	२५.१—२; २६.१—२
—कोलकाता	१६.१—६
—मध्यप्रदेश	
—इंदौर	१.१—२; १५.१—२; २३.१—३
—खंडवा	१.१—२
—गोंडवाना	२१.१—३
—मालवा	२८.१—३
—महाराष्ट्र	
—अहमदनगर	२८.१—३
—जलगाँव जिला	११.१—५
—पुणे	२७.१—२
—मुंबई	५.१—२; ६.१—६; ११.१—५; १५.१—२
—राजस्थान	११.१—५
—उदयपुर	१६.१—४
—जोधपुर	१६.१—४
—नसीराबाद	१.१—२
—मेड़ता	१६.१—४
—हरियाणा	
—करनाल	६.१—३
—हिमाचल प्रदेश	
—शिमला	२४.१—२
युगोस्लाविया	
—स्कोपज	१६.१—६
हंगरी	
—बुडापेस्ट	६.१—३

परिशिष्ट

पुस्तकालय सूची

००१.
जागोरी
बी–११४, शिवालिक, मालवीय नगर
नई दिल्ली–११००४९
दूरभाषः ९१–११ २६६९१२१९, २६६९१२२०
फैक्सः ९१–११ २६६९१२२१
ई–मेलः jagori@jagori.org
वेबसाइटः www.jagori.org

००२.
तुलसी सदन लायब्रेरी
हिन्दी एण्ड रीजनल लैंग्वेज विंग
सेन्ट्रल सेक्रेटरिएट लायब्रेरी
भावलपुर हाऊस, भगवानदास रोड़
नई दिल्ली–११०००१
दूरभाषः ९१–११ २३३८ ३०९७, २३३८ १७७८

००३.
दिल्ली पब्लिक लायब्रेरी
श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग
दिल्ली–११०००६
दूरभाषः ९१–११ २३९४ ६२३९
वेबसाइटः http://www.dpl.gov.in

००४.
नेशनल कमीशन फॉर वूमन
डिपार्टमेंट ऑफ वूमन एण्ड चाइल्ड डेवलपमेंट
रुम न०. ५, आई.सी.सी.डब्ल्यू बिल्डिंग
४, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग
नई दिल्ली–११०००२
दूरभाषः ९१–११ २३२३ ७१६६, २३२३ ६९८८
फैक्सः ९१–११ ९१–११ २३२३ ६१५४
ई–मेलः ncw@nic.in
वेबसाइटः www.ncw.nic.in

००५
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक कोऑपरेशन एण्ड चाइल्ड डेवलपमेंट
५, सिरी इंस्टीट्यूशनल ऐरिया, हौज़ खास
नई दिल्ली–११००१६
दूरभाषः ९१–११ २६९६३००२, २६९६३२०४, २६९६७५९२, २६९६५९५८

फैक्सः ९१–११ २६८६५१८७, २६८५१३४९
ई–मेलः linipccd@ndf.vsnl.net.in
वेबसाइटः www.nipccd.org

००६
नेहरू मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लायब्रेरी
तीन मूर्ति भवन
नई दिल्ली– ११००११
दूरभाषः ९१–११ २३०१७५९९
फैक्सः ९१–११ २३०१५९७
ई–मेलः nmml@ndf.vsnl.net.in
वेबसाइटः www.nehrumemorial.com

००७
मारवाड़ी सार्वजनिक पुस्तकालय
१४५७, चाँदनी चौक
दिल्ली– ११०००६
दूरभाषः ९१–११ २३९७५९७७
वेबसाइटः www.nehrumemorial.com

००८
वी.वी.गिरि नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट
पी.ओ.बॉक्स न. ६८
सेक्टर–२४, नोएडा–२०१३०१
गौतम बुद्ध नगर
उत्तर प्रदेश
दूरभाषः ९१–१२० २४११५३३, २४११५३४, २४११५३५, २४११५३८
फैक्सः ९१–१२० २४११५५६, २४११४७४
ई–मेलः vvgnli@vsnl.com
वेबसाइटः www.vvgnli.org

००९
वूमन्स स्टडीज़ डेवेलपमेंट सेंटर
एकेडेमिक रिसर्च सेंटर
द्वितीय तल, पटेल मार्ग,
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली–११०००७
दूरभाषः ९१–११ २७६६६६६९
ई–मेलः wsdc_du@yahoo.com
वेबसाइटः http://www.du.ac.in

०१०
साहित्य अकादमी लायब्रेरी
३५, फिरोजशाह रोड, रबीन्द्र भवन
नई दिल्ली–११०००१
दूरभाषः ९१–११ २३३८६६२६/२७/२८
फैक्सः ९१–११ २३३८२४२८
ई–मेलः secy@ndb.vsnl.net.in
वेबसाइटः http://www.sahitya.acedemi.gov.in

०११
सेंटर फॉर वूमन्स डेवलपमेंट स्ट्डीज
२५ भाई वीर सिंह मार्ग, गोल मार्केट
नई दिल्ली–११०००१
दूरभाषः ९१–११–३२२२६९३०, ३२२२६९३१
फैक्सः ९१–११–२३३४६०४४
ई–मेलः cwdslib@vsn.net
वेबसाइटः www.cwds.ac.in

०१२
सेंट्रल लायब्रेरी, दिल्ली विश्वविद्यालय
(दिल्ली यूनिवर्सिटी लायब्रेरी सिस्टम)
दिल्ली विश्वविद्यालय, छात्र मार्ग
दिल्ली–११०००७
दूरभाषः ९१–११ २७६६७१८५
ई–मेलः narenderkumar59@yahoo.com
वेबसाइटः http://www.du.ac.in

०१३
सेंट्रल सेक्रेटरिएट लायब्रेरी
जी विंग, शास्त्री भवन
नई दिल्ली–११०००१
दूरभाषः ९१–११ २३३८४८४६, २३३८६६४८, २३३८६३८३
वेबसाइटः http://www.csl.nic.in